RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 28 ता.23 जूलाई 2021, शुक्रवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

एनएसओ ग्रुप के खिलाफ जांच का अध्ययन कर रहा इजरायली रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गेंट्ज ने मंगलवार को कहा कि एनएसओ ग्रुप के खिलाफ जांच का रक्षा मंत्रालय अध्ययन कर रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब यह बात उजागर हुई है कि इजरायली साइबर कंपनी पत्रकारों और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए अपने स्पाइवेयर विदेशी सरकारों को बेचती रही है। तेल अवीव यूनिवर्सिटी में आयोजित साइबर वीक में गेंट्ज ने किसी कंपनी की नाम लिए बिना कहा, कुछ इजरायली साइबर कंपनियों द्वारा विकसित प्रणालियों के इस्तेमाल से संबंधित हालिया प्रकाशनों के बारे में हमें पता है। रविवार को पैगासस प्रोजेक्ट से पता चला था कि अजरबैजान, बहरीन, मैक्सिको, मोरक्को, रवांडा, सऊदी अरब, हंगरी, भारत और संयुक्त अरब अमीरात समेत कई देशों की सरकारों द्वारा निशाना बनाए गए लोगों के फोन में एनएसओ (पैगासस) द्वारा बेचे गए स्पाइवेयर की पहचान हुई थी। इस जांच को एमनेस्टी इंटरनेशनल के प्रायोजन और पेरिस स्थित जर्नलिज्म नानप्रोफिट फारबिडेन स्टोरीज के नेतृत्व में 17 मीडिया संगठनों ने अंजाम दिया था। इसके केंद्र में 50 हजार फोन नंबरों की लीक हुई एक सूची थी जो पत्रकारों, वरिष्ठ राजनीतिज्ञों और कारोबारी लोगों से जुड़ी थी। गेंट्ज ने दावा किया कि नीति के एक मामले के रूप में, इज़राइल साइबर उत्पादों के निर्यात को ÷केवल सरकारों को, केवल वैध उपयोग के लिए और विशेष रूप से अपराध और आतंकवाद को रोकने और जांच करने के उद्देश्यों के लिए अधिकृत करता है। देश ऐसे उत्पादों के निर्यात को नियंत्रित करता है और इसका अनुपालन करता है। अंतरराष्ट्रीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्था। गेंट्ज ने कहा कि इजराइल साइबर उत्पादों का निर्यात को केवल सरकारों को करता है।

पेगासस जासूसी मामला

सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी जांच और सॉफ्टवेयर खरीदने की रोक की मांग को लेकर याचिका दायर

भारत में सरकार द्वारा कथित तौर पर विपक्षी दलों के नेताओं के फोन टैप करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने खुलासा किया है कि पेगासस के जरिए भारत में 300 से अधिक मोबाइल नंबर हैक किए गए।

नई दिल्ली। पेगासस सॉफ्टवेयर के जरिए कथित तौर पर भारत में विपक्षी नेताओं और पत्रकारों की जासूसी का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वरिष्ठ वकील मनोहर लाल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इस याचिका में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग की गई है। साथ ही भारत में पेगासस की खरीद पर रोक लगाने की अपील की गई है। पेगासस जासूसी मामले को लेकर देश में विपक्षी नेता मोदी सरकार पर हमलावर हैं। बुधवार को संसद में इस मामले पर जोरदार बहस हुई। कांग्रेस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की मांग कर रही है। वहीं अन्य विपक्षी पार्टियां सरकार से सफाई मांग रही है। हालांकि, सरकार इस जासूसी मामले को पहले ही खारिज कर चुकी है।

● इसमें कहा गया है, "पेगासस केवल निगरानी उपकरण नहीं है। यह एक साइबर-हथियार है जिसे भारतीय सरकारी तंत्र के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। भले ही यह आधिकारिक हो (जिसे लेकर संशय है), लेकिन पेगासस का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है।"

पेगासस कांड गहरी चिंता का विषय-अधिवक्ता एम एल शर्मा द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि पेगासस कांड गहरी चिंता का विषय है और यह भारतीय लोकतंत्र, न्यायपालिका और देश की सुरक्षा पर गंभीर हमला है। व्यापक स्तर और बिना किसी जवाबदेही के निगरानी करना नैतिक रूप से गलत है। याचिका में कहा गया है कि पेगासस का उपयोग केवल बातचीत सुनने के लिए नहीं होता, बल्कि इसके उपयोग से व्यक्ति के जीवन के बारे में पूरी डिजिटल जानकारी हासिल कर ली जाती है और इससे ना केवल फोन इस्तेमाल करने वाला असहाय हो जाता है, बल्कि उसकी संपर्क सूची में शामिल हर व्यक्ति ऐसा महसूस करता है।

2016 के बाद से करीब 50,000 फोन नंबर को बनाया गया निशाना

याचिका में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि जासूसी संबंधी इस खुलासे से राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि निगरानी प्रौद्योगिकी विक्रेताओं अत्यधिक बढ़ोतरी'' वैश्विक सुरक्षा और मानवाधिकार के लिए समस्या है। जनहित याचिका में दावा किया गया है कि ऐसा बताया जा रहा है कि एनएसओ ग्रुप कंपनी के ग्राहकों ने 2016 के बाद से करीब 50,000 फोन नंबर को निशाना बनाया है।

इसमें कहा गया है, ''पेगासस केवल निगरानी उपकरण नहीं है। यह एक साइबर-हथियार है जिसे भारतीय सरकारी तंत्र के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। भले ही यह आधिकारिक हो (जिसे लेकर संशय है), लेकिन पेगासस का इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है।'' याचिका में जासूसी के लिए पेगासस को खरीदने को अवैध एवं असंवैधानिक करार देने का अनुरोध किया गया है।

भारत में कोरोना की तीसरी लहर की आहट

इन 13 राज्यों में खतरे की घंटी, जानें कौन तीन कारण होंगे अहम

नई दिल्ली। टीकाकरण के बावजूद ब्रिटेन, रूस समेत कई देशों में कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने भारत की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। हालांकि, देश में करीब 68 फीसदी लोक सीरो पॉजिटिव पाए गए हैं। लेकिन इसके बावजूद कोरोना संक्रमण के दैनिक औसत मामले एक महीने से 40 हजार पर स्थिर हैं। विशेषज्ञ चिंता जता रहे हैं कि आंकड़े स्थिर होने के बाद इनमें बढ़ोत्तरी हो सकती है।

कोरोना की दूसरी लहर के बाद हुए सीरो सर्वे में करीब 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें टीका लगा चुके लोग भी शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद देश के 13 राज्यों में कोरोना के सक्रिय रोगियों में बढ़ोत्तरी का रुझान है। केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा के अलावा पूर्वोत्तर के तमाम राज्यों में कोरोना के दैनिक मामलों की दर ऊंची बनी हुई है। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के निदेशक प्रोफेसर जुगल किशोर ने कहा कि बड़े पैमाने पर लोगों में एंटीबॉडी मिलने से यह स्पष्ट है कि कोरोना की तीसरी लहर पहले जैसी भयावह नहीं होगी। लेकिन जिस प्रकार तेजी से मामले घट रहे थे और वह 40 हजार पर स्थिर हो गए हैं, यह तीसरी लहर की आहट हो सकती है। कई देशों में ऐसा ही हुआ है। वह अब तक कई लहर का सामना कर चुके हैं। कई प्रदेशों में भी दो से अधिक लहर आ चुकी हैं।

लापरवाही महंगी पड़ सकती है

किशोर ने कहा कि आने वाले दिनों में संक्रमण में बढ़ोत्तरी का रुझान दिख सकता है। लेकिन यदि भीड़ बढ़ाने वाली घटनाएं नहीं होंगी तो संक्रमण का ज्यादा फैलाव नहीं होगा। इस प्रकार तीसरी लहर आएगी और जल्दी खत्म हो जाएगी। लेकिन यदि भीड़ बढ़ी। ज्यादा लापरवाही हुई तो यह लापरवाही महंगी पड़ सकती है। क्योंकि सीरो सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार, अभी 40 करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जो संक्रमण से बचे हैं और टीका भी नहीं लगा है। यह बड़ी आबादी है।

स्कूल की लापरवाही से गंभीर बीमारी की शिकार हुई छात्रा को 88.73 लाख रुपये का मुआवजा

नई दिल्ली। स्कूल टूर में उत्तर भारत में भ्रमण के दौरान शिक्षकों की लापरवाही के कारण मेनिंगो एन्सेफलाइटिस (दिमागी बुखार) का शिकार हुई बंगलूरू की एक छात्रा को सुप्रीम कोर्ट ने 88.73 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। वर्ष 2006 में हुई इस घटना ने समय लड़की नौवीं कक्षा में पढ़ती थी। शीर्ष अदालत ने पाया कि इस बीमारी से पीड़ित होने की वजह से लड़की सामान्य जीवन जीने से महरूम हो गई और उसकी शादी की संभावनाएं भी खत्म हो गई। दरअस्ल, राज्य उपभोक्ता आयोग ने स्कूल प्रबंधन से छात्रा को 88.73 लाख रुपए मुआवजा देने के लिए कहा गया। लेकिन स्कूल प्रबंधन की अपील पर राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने मुआवजे की राशि घटाकर 50 लाख रुपए कर दी। राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के फैसले को पीड़ित पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस नवीन सिन्हा और जस्टिस आर सुभाष रेड्डी की पीठ ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के आदेश के खिलाफ कुम अक्षता द्वारा दायर इस अपील को स्वीकार कर लिया और राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा तय की गई मुआवजे की राशि (88.73 लाख)

को बहाल कर दिया। शीर्ष अदालत ने पाया कि राष्ट्रीय आयोग ने यह नहीं माना कि मुआवजे की रकम बहुत अधिक है फिर भी उसने मुआवजे की राशि कम कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा है कि बिना किसी तथ्य, चर्चा या तर्क के राष्ट्रीय आयोग द्वारा लिया गया निर्णय मनमाना और नहीं टिकने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि उस समय शिकायतकर्ता 14 वर्ष की थी और बंगलूरू के एक शैक्षणिक संस्थान में नौवीं कक्षा में पढ़ पही थी। दिसंबर 2006 में वह स्कूल के अन्य छात्रों व शिक्षकों के साथ उत्तर भारत के कई स्थानों पर शैक्षिक दौरे पर गई थी। दौरे के दौरान वह वायरल बुखार से बीमार हो गई, उनकी पहचान मेनिंगो एन्सेफलाइटिस के रूप में हुई। डॉक्टरों का कहना था कि अगर उसे समय पर ध्यान और चिकित्सा सहायता दी जाती तो वह आसानी से ठीक हो सकती थी। आखिरकार उसे एक एयर एंबुलेंस में बंगलूरू ले जाना पड़ा। उसके बाद से वह बिस्तर पर है। उसकी याददाश्त चली गई है। वह बोल भी नहीं सकती। और उसके ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। वह सामान्य जीवन से वंचित है और विवाह योग्य उम्र होने के बावजूद शादी की संभावनाओं से वंचित है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्यों कहा-

दहेज हत्या का दोषी खुदकुशी को उकसाने के केस से मुक्त नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी है कि दहेज हत्या (आईपीसी की धारा 304 बी) के तहत दोषी ठहराए गए व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने में (आईपीसी की धारा 306 के तहत) आरोप मुक्त नहीं किया जा सकता। इस मामले में शादी के 15 माह की अवधि के दौरान ही विवाहिता ने आत्महत्या कर ली थी। विवाहिता के पिता ने इस मामले में दहेज हत्या, हत्या के प्रयास, दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज करवाया। साथ ही दहेत प्रतिषेध कानून की धारा 3 और 4 के तहत भी पति तथा ससुर व सास के खिलाफ केस दर्ज करवाया। इस मामले में हाईकोर्ट ने 304 बी तथा दहेज प्रतिषेध कानून के तहत आरोपों की पुष्टि करते हुए सास-ससुर को धारा 306 के तहत बरी कर दिया। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई और बताया गया कि धारा 304 बी के तहत दंडित करने के बाद धारा 306 के तहत आरोपमुक्त नहीं किया जा सकता। क्योंकि मृतक अपने पीछे दो सुसाइड नोट छोड़कर गई थी, जिसे पढ़ने के बाद संबंधियो को धारा 306 के तहत बरी नहीं किया जा सकता। फैसले में जस्टिस विनीत शरण और जस्टिस दिनेश महेश्वरी की पीठ ने कहा कि धारा 306 ज्यादा विस्तृत है और यह धारा 304 बी को अपने दायरे में ले लेती है। ये दोनों धारा एक दूसरे से अलग नहीं है, यदि आत्महत्या करने के लिए धारा 304 बी को आधार बनाया गया है तो यह आवश्यक रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध धारा 306 को भी आकर्षित करेगी। जबकि यह इसका उल्टा नहीं हो सकता कि सिर्फ आत्महत्या करने के लिए उकसाने का आरोप हो और आत्महत्या न हो।

आतंक पर कश्मीर में सेना की ताबड़तोड़ मार, सिर्फ जुलाई में 16 एनकाउंटर, 36 आतंकी ढेर

नई दिल्ली। बीते छह हफ्तों में जम्मू-कश्मीर के अंदर आतंकी गतिविधियों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है। इतना ही नहीं सुरक्षाबलों पर पाकिस्तानी आतंकवादियों के हमले भी बढ़े हैं। इस साल अब तक जम्मू-कश्मीर में कुल 86 आतंकियों को ढेर किया गया है और इनमें से 36 यानी कि करीब 45 फीसदी को जून-जुलाई माह में हुए 16 एनकाउंटरों में मार गिराया गया है। जुलाई माह में सबसे ज्यादा आतंकी गतिविधियां देखी गई हैं। समाचार पत्र की खबर के मुताबिक, अकेले जुलाई माह के 20 दिनों में ही 10 एनकाउंटर हुए

हैं, जिनमें कुल 20 आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया है। इन 20 में चार आतंकी पाकिस्तान के थे।

इस साल सुरक्षाबलों ने कुल 36 ऑपरेशन चलाए और इसमें 86 आतंकियों को मार गिराया है। इनमें से 80 कश्मीर में और 6 जम्मू में मारे गए। मारे गए आधे आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। इन सैन्य अभियानों में सुरक्षाबलों के 15 जवान भी शहीद हुए हैं तो वहीं 19 आम नागरिकों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी है।

यह स्थिति तब है जब इसी साल 25 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने संयुक्त बयान जारी कर संघर्षविराम का सम्मान किए जाने का एलान किया था। हालांकि, इसके बावजूद पाकिस्तान की ओर से सीजफायर उल्लंघन जारी है।

खबर के मुताबिक, बीते हफ्ते पाकिस्तान से 4 बार घुसपैठक की कोशिशकी गई। इसमें से एक को जहां नाकामयाब कर दिया गया तो वहीं, तीन सफल भी रहे। अभी तक कश्मीर में करीब 20 आतंकियों के घुसने की जानकारी है।

वहीं, इस साल 15 जुलाई तक आतंकी संगठनों में 69 आतंकी शामिल हुए हैं। हालांकि, बीते साल इसी अवधि में 85 लोग आतंकी संगठनों में शामिल हो गए थे। आतंकी संगठनों में शामिल होने वाले अधिकांश लड़ाके कश्मीर के कुलगाम, शोपियां और पुलवामा जिलों के हैं। साल 2020 में कुल 174 आतंकी बने थे तो वहीं साल 2019 में यह आंकड़ा 143 था। खुफिया रिपोर्टों के मुताबिक, घाटी में इस वक्त 200 से ज्यादा आतंकी सक्रिय हैं और इनमें से 40 प्रतिशत पाकिस्तान से कश्मीर में घुसे हैं।

बंधवाड़ी साइट पर खुले में कचरा जलाने पर एनजीटी ने जताई चिंता, जांच के लिए पैनल गठित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गुरुग्राम में बंधवाड़ी लैंडफिल साइट से कचरे का प्रबंधन पर्यावरण नियमों के मुताबिक नहीं होने पर गंभीर चिंता जताई है। एनजीटी के चेयरमैन जस्टिस आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एक लोक कल्याणकारी राज्य नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के संवैधानिक जिम्मेदारियों से भाग नहीं सकता। खासकर, तब जब बीमारियां महामारी का रूप ले लें। एनजीटी ने कहा कि प्रशासन की विफलता और जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाही विनाश के लिए काफी है। अधिकरण ने कहा कि यह उम्मीद है कि हरियाणा सरकार नागरिकों की सुरक्षा और कानून के शासन को ध्यान में रखकर, इन कमियों को ठीक करेगी। एनजीटी ने इसके साथ ही दोषी अधिकारियों की लगातार लापरवाही के लिए जिम्मेदारी तय करने को कहा।

एनजीटी ने मौके का जायजा लेने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया। इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एक सदस्य, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का एक सदस्य और गुरुग्राम के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट शामिल होंगे। एनजीटी ने इस कमेटी को एक महीने के अंदर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

दिया है।

लोगों के साथ ही वन्य जीवों पर भी हो रहा असर

याचिका पूनम यादव ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि कचरे के प्रबंधन के लिए 2017 में चीनी कंपनी ईको-ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को ठेका दिया गया। इसके बावजूद, जो कदम उठाए गए हैं, वे अपर्याप्त हैं। याचिका में कहा गया है कि बंधवाड़ी लैंडफिल साइट के कचरे को खुली हवा में जलाया जा रहा है। इससे न केवल आसपास के लोग प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि असोला भाटी वाइल्ट लाइफ सेंचुरी के करीब 193 पक्षियों की प्रजातियां भी प्रभावित हो रही हैं। सेंचुरी में पक्षियों के अलावा चिकित्सकीय पौधे और 80 किस्मों की तितलियां, काला तीतर, तेंदुओं इत्यादि पर भी असर पड़ा है। कचरे को लैंडफिल साइट में जलाना ठोस कचरा प्रबंधन नियम का उल्लंघन है।

गौरतलब है कि एनजीटी ने नवंबर 2019 में गुरुग्राम नगर निगम को निर्देश दिया था कि वो बंधवाड़ी लैंडफिल साइट से 25 लाख टन कचरे को छह महीने में हटाए। एनजीटी ने कहा था कि बंधवारी लैंडफिल साइट से कचरा हटाने के लिए समयबद्ध योजना बनाने की जरूरत है।

सार समाचार

राहुल ने ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों पर कहा, सबकुछ याद रखा जाएगा

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सब कुछ याद रखा जाएगा। केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद ने एक ट्वीट में कहा, सब कुछ याद रखा जाएगा। उन्होंने ऑक्सीजन शॉर्टेज के हैशटैग के साथ ट्वीट किया और एक वीडियो भी संलग्न किया जिसमें लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर की खोज करते हुए दिखाया गया है। राज्यसभा को सूचित करने के बाद कि दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण कोई मौत नहीं हुई थी, सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया, जिन्होंने दो दिन पहले राज्यसभा को सूचित किया था कि कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण किसी की मृत्यु नहीं हुई है।

पुलिसकर्मी की हत्या के जुर्म में एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनायी गयी

अहमदाबाद। गुजरात की एक सत्र अदालत ने पांच साल पूर्व हिरासत से भागने से पहले अहमदाबाद शहर अपराध शाखा के उच्च सुरक्षा वाले कार्यालय में एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या करने के जुर्म में बृहस्पतिवार को एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनायी। सत्र अदालत के न्यायाधीश डी वी शाह ने गायकवाड हवेली में अपराध शाखा मुख्यालय के अंदर अप्रैल 2016 में कांस्टेबल चंद्रकांत मकवाना की पीट-पीटकर हत्या करने को लेकर मनीष बलाई को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। राजस्थान निवासी बलाई को लूटपाट के एक मामले में पूछताछ के लिए अपराध शाखा कार्यालय लाया गया था और उसे वहां रखा गया था। इक्कीस अप्रैल को तड़के जब कांस्टेबल मकवाना नींद में था तब बलाई ने उसे लोहे की छड़ से पीट-पीटकर मार डाला। उसने उसके सिर और चेहरे पर वार किया एवं भाग गया। एक दिन बाद उसे वड़ोदरा के कुरजन रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया।

सरकार ने जारी किया आंकड़ा, 10 साल में एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों में तीन लोगों की मौत

नयी दिल्ली। नागर विमानन राज्य मंत्री वी के सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले 10 साल में एयरो स्पोर्ट्स (हवाई खेलों) के दौरान पांच हादसों में तीन लोगों की मौत हो गयी। सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) के अनुसार भारत में पिछले दस साल में एयरो स्पोर्ट्स के दौरान पांच दुर्घटनाएं घटीं।'' उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में माइक्रोलाइट विमानों से जुड़े दो हादसे हुए, जिनमें दो लोगों की मौत हो गयी। सिंह के अनुसार ग्लाइडर से जुड़ी तीन दुर्घटनाएं घटीं जिनमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी। सिंह ने कहा कि सभी एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियों के लिए नियमन नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''हालांकि डीजीसीए बैलून, ग्लाइडर, माइक्रोलाइट आदि के पंजीकरण के लिए प्रमाणपत्र जारी करता है।

छत्तीसगढ़: ट्रक से एक करोड़ रुपए से अधिक का गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में पुलिस ने एक ट्रक से एक करोड़ रुपए मूल्य का 727.165 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। कोंडागांव जिले के पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यहां बताया कि शहर में नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक ट्रक से 727.165 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। गांजे की कीमत एक करोड़ नौ लाख रुपए है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के निवासी ट्रक चालक बनुनन्द यादव (36) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक मुखबिर ने ट्रक से गांजा तस्करी की सूचना दी थी। सूचना के बाद पुलिस दल ने नाकाबंदी कर ट्रकों की तलाशी शुरू की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जब ट्रक की तलाशी ली तब उसमें दीवार पर किए जाने वाले पेंट के डिब्बों के बीच 18 बोरी में रखा 727.165 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब ट्रक चालक से इस संबंध में पूछताछ की गई तब उसने बताया कि वह गांजा उत्तर प्रदेश लेकर जा रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने ट्रक और गांजा जब्त कर लिया है तथा ट्रक चालक को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली में चला योगी सरकार का बुलडोजर, रोहिंग्या कैंप तोड़कर खाली करवाई गई 150 करोड़ की जमीन

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं। इन सबके बीच राजधानी दिल्ली में भी योगी सरकार की बड़ी कार्रवाई हुई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने राजधानी दिल्ली में यूपी की जमीन पर हुए अवैध कब्जे को गुरुवार को खत्म कराया। सिंचाई विभाग की जमीन पर अवैध रूप से रोहिंग्या कैंप लगाए गए थे जिसे बुलडोजर से तोड़ा गया है। दिल्ली के जिस इलाके में बुलडोजर चलाया गया है वह इलाका मदनपुर खादर है। बताया जा रहा है कि मदनपुर खादर में करीब 5.21 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा रोहिंग्या ने किया था जिसे अब अतिक्रमण से मुक्त करा लिया गया है। इन जमीन की कीमत डेढ़ सौ करोड़ रुपए बताई जा रही है। उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री डॉ महेंद्र सिंह ने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली में फिर से चला योगी का बुल्डोजर, योगी सरकार की दिल्ली में बड़ी कार्यवाही, मदनपुर खादर में सुबह 4 बजे ही कार्यवाही कर सिंचाई विभाग की भूमि पर अवैध कब्जे से रोहगिया कैम्पों को हटाया गया एवं अवैध कब्जे तोड़े गए। उ.प्र.सिंचाई विभाग की 2.10 हेक्टेयर जमीन मुक्त कराई।

जासूसी संबंधी रिपोर्ट भारतीय लोकतंत्र की छवि धूमिल करने का प्रयास : अश्विनी वैष्णव

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इजराइली स्पाईवेयर पेगासस के जरिये भारतीयों की कथित जासूसी करने संबंधी खबरों को सिरे से खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले ऐसी रिपोर्ट का प्रकाशित होना कोई संयोग नहीं है बल्किये आरोप भारतीय लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का प्रयास हैं। उच्च सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, एक बयान में वैष्णव ने कहा कि जब देश में नियंत्रण एवं निगरानी की व्यवस्था पहले से है तब अनधिकृत व्यक्ति द्वारा अवैध तरीके से निगरानी संभव नहीं है। गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से विपक्षी दलों ने संसद के दोनों सदनों में इसके समेत कुछ अन्य मुद्दों पर हंगामा किया।

आज भी वैष्णव ने उच्च सदन में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही यह बयान देना शुरू किया। जब वह बयान दे रहे थे तब आसन के समक्ष आ कर हंगामा कर रहे तृणमूल कांग्रेस के कुछ सदस्यों ने चंद दस्तावेज भी फाड़े और हवा में उछाले। हंगामे की वजह से वैष्णव अपना बयान पूरा पढ़ नहीं पाए और उन्होंने इसे सदन के पटल पर रख दिया। सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री का यह बयान मीडिया में आई रिपोर्ट के मद्देनजर सामने आया है कि कुछ राजनीतिक नेताओं, सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों सहित अनेक भारतीयों की निगरानी करने के लिये इजराइली स्पाइवेयर पेगासस का कथित तौर पर उपयोग किया गया था। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि 18 जुलाई को एक वेब पोर्टल ने कथित जासूसी की खबर प्रकाशित की और यह प्रेस रिपोर्ट 19 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरू होने के ठीक एक दिन पहले सामने आई। यह संयोग नहीं हो सकता है।

वैष्णव ने कहा कि 18 जुलाई 2021 को आई प्रेस रिपोर्ट भारतीय लोकतंत्र और एक स्थापित संस्थान की छवि को धूमिल करने का प्रयास लगती है। उन्होंने कहा कि अतीत में वॉट्सऐप पर पेगासस के इस्तेमाल करने का दावा सामने आया था लेकिन इन खबरों का तथ्यात्मक आधार नहीं है और सभी पक्षों ने इससे इनकार किया है। गौरतलब है कि मीडिया संस्थानों के अंतरराष्ट्रीय गठजोड़ ने दावा किया है कि केवल सरकारी एजेंसियों को ही बेचे जाने वाले इजराइल के जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिए भारत के कुछ रसूखदार लोगों सहित बड़ी संख्या में कारोबारियों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के 300 से अधिक मोबाइल नंबर, हो सकता है कि हैक किए गए हों।

मतदाताओं को लुभाने में जुटी योगी सरकार, मेरठ सहित 17 शहरों में उपलब्ध कराएगी फ्री फाई-पाई सेवा

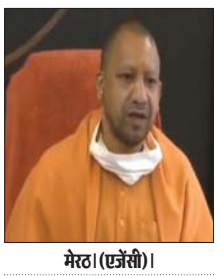

मेरठ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर योगी सरकार वोटरों को लुभाने के लिए हर कोशिश कर रही है। इसी कड़ी में योगी सरकार ने राज्य के 17 जिलों में फ्री वाई-फाई सुविधाएं देने का फैसला किया है। 17 शहरों में कुल 217 जगह वाई-फाई सेंटर बनाए जाएंगे। इन सेंटरों से लोगों को फ्री वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। सरकार ने अधिकारियों को इन शहरों में वाई-फाई लगाने के लिए जगह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आपको बता दें कि योगी सरकार अब से पहले भी कई शहरों में फ्री वाई-फाई सुविधाएं दे रही है, लेकिन ज्यादातर वाई-फाई सर्विस सेंटर बंद पड़े हुए हैं। अब सरकार ने इन सभी सेंटरों को भी दोबारा से ठीक करने का निर्देश दिया है। सरकार ने जिन शहरों में फ्री वाई-फाई सुविधा देने का ऐलान किया है उनमें लखनऊ, मेरठ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, सहारनपुर, बरेली, गोरखपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, शाहजहांपुर, गाजियाबाद, मथुरा और फिरोजाबाद जनपद शामिल हैं। इन शहरों में चुनाव से पहले लोगों को फ्री वाई-फाई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिस जगह पर फ्री वाई-फाई सेंटर बनाए जाएंगे। उनमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, तहसील, कचहरी, ब्लॉक और रजिस्ट्रार कार्यालय शामिल होंगे। इसके अलावा भी अन्य पब्लिक सेंटरों पर भी वाई-फाई सेंटर खोले जा सकते हैं।

नोएडा के बाद गोरखपुर सबसे पसंदीदा औद्योगिक गंतव्य

लखनऊ (एजेंसी)।

22 जुलाई (आईएएनएस)। गोरखपुर अब नोएडा के बाद उद्योगपतियोंके लिए उत्तर प्रदेश में सबसे पसंदीदा गंतव्य के रूप में उभर रहा है। गोरखपुर, जो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का घर है, उन्होंने देश के 259 छोटे और बड़े उद्योगपतियों को जिले में अपने कारखाने स्थापित करने के लिए गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीआईडीए) से भूमि दी है। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, गोरखपुर में पिछले चार वर्षों में उद्योगपतियों द्वारा किया गया कुल निवेश 1,000 करोड़ रुपये है, जबकि वर्ष के अंत तक शहर में उद्यमियों द्वारा अतिरिक्त 1,500 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की संभावना है। निवेशकों में प्रमुख हैं आदित्य बिड़ला समूह और कोका-कोला कंपनी जिन्होंने अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए जमीन के लिए जीआईडीए से संपर्क किया है। उद्योगपतियों को अपने कारखाने स्थापित करने के लिए भूमि उपलब्ध कराने के अलावा, जीआईडीए के अधिकारी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए गोरखपुर में एक प्लास्टिक और एक कपड़ा पार्क के साथ-साथ एक फ्लैट फैक्ट्री स्थापित करने जैसी कई परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई टेक्सटाइल पार्क परियोजना सहित 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएं शहर के औद्योगिक विकास में उत्प्रेरक का काम कर रही हैं। गोरखपुर में पर्यटन स्थलों को भी विकसित किया जा रहा है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए तारामंडल क्षेत्र का विकास किया जा रहा है और रामगढ़ ताल को भी एक नया रूप दिया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि गोरखपुर में शुरू की गई विकास योजनाओं से पूर्वांचल के करीब डेढ़ दर्जन जिले सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। गोरखपुर में खाद्य प्रोसेसिंग इकाइयों सहित विभिन्न प्रकार के उद्योग स्थापित किए जा रहे हैं। पिछले चार वर्षों में, गैलेंट इस्पात लिमिटेड, शुद्ध प्लस हाइजीन, क्रेजी बेकरी उद्योग, अंकुर उद्योग लिमिटेड, स्पाइस लैमिनेट्स प्राइवेट लिमिटेड, आदित्य मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडिया ग्लाइकोल प्राइवेट लिमिटेड, आरके ऑक्सीजन प्राइवेट लिमिटेड और समस्त एफआईडीएस नामक उद्योगों ने स्थापित किया है। उनके कारखाने और उत्पादन भी शुरू कर दिया है। वहीं बहुराष्ट्रीय कंपनी कोका-कोला ने गोरखपुर में बॉटलिंग प्लांट लगाने के लिए जीआईडीए से 32 एकड़ जमीन मांगी है।

कोविड़-19 से पैरेंट्स को खोने वाले बच्चों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए सरकार लॉन्च करेगी पोर्टल!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

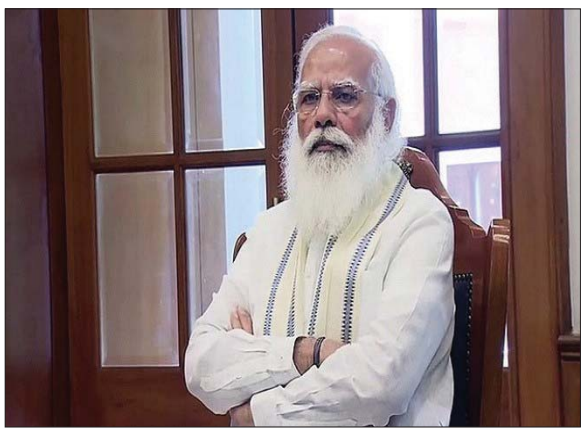

कोरोना महामारी से अपने माता-पिता दोनों को खोने वाले सभी बच्चों की मदद के लिए सरकार ने एक पोर्टल शुरू करने की तैयारी कर ली है। टीओआई में छपी एक खबर के मुताबिक, सरकार 'पीएम-केयर्स फॉर चिल्ड्रेन स्कीम' के तहत मार्च 2020 में कोरोना महामारी के बाद से अपने माता-पिता, अभिभावकों को खोने सभी बच्चों को लॉन्ग टर्म की सहायता प्रदान की जाएगी। इस स्कीम के तहत बच्चों को मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और अन्य लाभ मिलेगा। इस योजना के अनुसार, 18 वर्ष की आयु वाले बच्चों को मासिक स्कॉलरशीप और 23 साल की उम्र में 10 लाख तक फंड दिया जाएगा।

आपको बता दें कि 29 मई को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस योजना को शुरू किया गया था। बता दें कि इस योजना के तहत 10 साल के कम उम्र के बच्चों को निजी स्कुलों में डे-स्कॉलर के रूप में प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा बच्चो को मुफ्त पुस्तकें और नोटबुक्स भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस स्कीम के लिए पोर्टल तैयार किया जाएगा जिसके तहत बाल कल्याण समितियों और जिला मजिस्ट्रेटों को अलग-अलग लॉगिन सुविधाएं दी जाएगी। बच्चे की पूरी डिटेल भरने के लिए एक मैनुअल तैयार किया गया है और इसके परिक्षण के लिए राज्यों को शेयर किया गया यह पोर्टल जल्द ही ऑफिशियल रूप से लॉन्च कर दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कोरोना महामारी के दौरान एक या दोनों माता-पिता को खोने वाले बच्चों के संबंध में राज्यों द्वारा भेजे जा रहे डेटा को इक्ट्ठा कर रहा है। इनमें वह बच्चें भी शामिल हैं जिन्होंने कोरोना के कारण अपने माता-पिता को नहीं खोया था।

योगी पर प्रियंका गांधी का हमला, कहा- याद रखें कि जनता भी एक दिन 'प्रॉपर्टी' जब्त कर सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान को लेकर बृहस्पतिवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि मुख्यमंत्री जिस 'प्रॉपर्टी' पर बैठे हैं, उसे एक दिन जनता जब्त कर सकती है। योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि प्रदेश के युवा किसी के बहकावे में न आएं क्योंकि आज कोई गलत नहीं कर सकता है, जिसको अपनी प्रॉपर्टी जब्त करवानी हो, वह गलत कार्य करे। प्रियंका ने मुख्यमंत्री के इस बयान को लेकर उन पर पलटवार करते हुए ट्वीट किया, ''इस देश में अपनी आवाज उठाना, प्रदर्शन करना और अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना एक संवैधानिक अधिकार है। जायज मांगों के लिए आवाज उठाने वालों को डराने और धमकाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग करना एक घोर अपराध है।''

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा, 'जिस 'प्रॉपर्टी' पर योगी जी बैठे हैं, वह उनकी नहींजेश की जनता की है। याद रखें कि वह 'प्रॉपर्टी' भी एक दिन जनता ज़ब्त कर सकती है।' योगी आदित्यनाथ ने नये चयनित आबकारी निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने संबंधी कार्यक्रम में कहा था, 'हम लोगों ने प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए हर संभव प्रयास किए हैं। परिणामत- प्रदेश में निवेश आया और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्य हुए। इसके तहत 1.61 करोड़ से अधिक युवाओं को नौकरी व रोजगार से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई है।'' उन्होंने यह भी कहा था, ''प्रदेश के युवाओं से मेरी अपील है कि वह किसी के बहकावे में न आएं। आज कोई गलत नहीं कर सकता है। जिसको अपनी प्रॉपर्टी जब्त करवानी हो, वह गलत कार्य करे।

कर्नाटक के भाजपा प्रभारी अरुण सिंह ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का सवाल टाला

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा अपनी संभावित विदाई का संकेत दे चुके हैं, लेकिन पार्टी के राज्य प्रभारी अरुण सिंह बृहस्पतिवार को नेतृत्व परिवर्तन के सवाल को टालते दिखे। दिल्ली में संवाददाताओं ने जब इस संबंध में उनकी प्रतिक्रिया पूछी तो उन्होंने कहा, ''मेरा आप सभी को नमस्कार। हम किसी दिन साथ बैठेंगे और चर्चा करेंगे। हम साथ बैठकर चाय भी पीएंगे।'' येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग करने वाले बागी विधायकों द्वारा तेवर कड़े किए जाने के बीच सिंह ने जून में बेंगलुरु जाकर पार्टी नेताओं, मंत्रियों और विधायकों से विचार विमर्श किया था।

इसके बाद उन्होंने येदियुरप्पा के काम की प्रशंसा करते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार उनके नेतृत्व में अच्छा काम कर रही है।सिंह ने कहा, ''हमारे सभी कार्यकर्ता, मंत्री और विधायक एकजुट हैं और उनके बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है।'' इसके बावजूद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा है।

मुख्यमंत्री येदियुरप्पा ने बृहस्पतिवार को पहली बार अपनी संभावित विदाई का संकेतदेते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व 25 जुलाई को निर्देश देगा जिसका वह अनुपालन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के विश्वसनीय लोगों में हैं जिन्हें पार्टी ने 75 साल की उम्र होने के बावजूद राज्य का नेतृत्व करने का मौका दिया।

किसान आंदोलन पर बोलीं केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी- वे किसान नहीं, मवाली हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इन सब के बीच आज दिल्ली के जंतर मंतर पर किसान नेताओं ने सांकेतिक किसान संसद का आयोजन किया। इसके बाद फिर से इसे लेकर राजनीति लगातार जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने किसान आंदोलन को लेकर बड़ा बयान दिया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक मीनाक्षी लेखी ने कहा कि यह किसान नहीं मवाली हैं। मीनाक्षी लेखी ने आगे कहा कि वे किसान नहीं मवाली हैं। इसका संज्ञान भी लेना चाहिए, ये आपराधिक गतिविधियां हैं, जो कुछ 26 जनवरी को हुआ वो भी शर्मनाक था, आपराधिक गतिविधियां थी, उसमें विपक्ष द्वारा ऐसी चीजों को बढ़ावा दिया गया।

उन्होंने कहा कि लोगों के हित में जो फैसले हैं वह भारत सरकार करेगी। गलत नैरेटिव पर ज्यादा ऊर्जा व्यर्थ नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसान नहीं है। किसानों के पास दिल्ली आकर प्रदर्शन करने का समय नहीं है। पेगासस मामले में मिनाक्षी लेखी ने कहा कि स्पाइवेयर मुद्दे में 10 देशों का नाम लिया गया है, लेकिन अन्य देशों के विपक्ष ने हमारे विपक्ष की तरह प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह एक ऐसी कहानी है जो मनगढ़ंत है और साक्ष्य रहित है। जब भी देश में कुछ सही और अच्छा होने वाला होता है, तो इस तरह का आचरण किया जाता है। इस तरह की कहानियां भारतीय संस्थानों को कमजोर करने और डेटा संरक्षण को रोकने के लिए चलाई जाती हैं। यह संरचनाओं की विश्वसनीयता के प्रति जनता को असंवेदनशील बनाने और हमारे देश की छवि खराब करने के लिए है।

उन्होंने आगे कहा कि एनएसओ ने इनकार किया है कि यह उनके ग्राहकों की सूची नहीं है और प्रचलन में सूची के बीच किसी भी संबंध का कोई पुष्ट प्रमाण नहीं है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस सूची का खंडन किया है और फिर भी, विपक्ष ने फर्जी खबरों के आधार पर सदन को बाधित करना जारी रखा है। आज टीएमसी के सदस्यों ने संसद में किया, वो बहुत शर्मनाक है। कांग्रेस और टीएमसी लगातार गलत नैरेटिव बना रही है। कुछ पीत पत्रकारिता करने वाले लोग भी उनका साथ दे रहे हैं।

सार समाचार

बड़ा हादसा होने से टला! दुबई में दो यात्री विमान आपस में टकराई; कोई हताहत नहीं

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में मुख्य हवाईअड्डे पर बृहस्पतिवार सुबह दो विमान आपस में टकरा गए, यद्यपि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आपस में टकराए इन विमानों में से एक विमान एअरलाइन 'फ्लाईदुबई' का और दूसरा बहरीन स्थित एअरलाइन 'गल्फ एअर' का था।
फ्लाईदुबई ने एक बयान में कहा कि किर्गिस्तान जा रहा उसका बोइंग विमान ''मामूली दुर्घटना'' का शिकार हो गया और उसे अपने स्टैंड स्थल पर लौटना पड़ा। यात्री छह घंटे बाद एक अन्य उड़ान से अपने गंतव्य को रवाना हो गए। इसने कहा, ''फ्लाईदुबई घटना की जांच के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेगी।'' इसने कहा कि हादसे में विमान के पंख को क्षति पहुंची। वहीं, गल्फ एअर ने कहा कि एक अन्य विमान की टक्कर से उसके एक विमान के पिछले हिस्से को नुकसान हुआ। एअरलाइन ने कहा कि वह यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए काम कर रही है।

गाजा सिटी में एक मकान में हुआ बड़ा धमाका, एक व्यक्ति की मौत; 10 अन्य घायल

गाजा सिटी। गाजा सिटी के एक लोकप्रिय बाजार में बृहस्पतिवार को एक मकान में धमाका होने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि 10 अन्य घायल हो गये। गृह मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अल-जजिया इलाके में यह धमाका होने से मकान का बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया और समीप के कई अन्य मकानों एवं दुकानों को भी नुकसान पहुंचा। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह धमाका कैसे हुआ। पुलिस विस्फोटक इंजीनियरिंग टीमें विस्फोट के कारणों की जांच में जुटी हैं। नागरिक रक्षा दलों एवं पुलिस ने धमाके बाद लगी आग को नियंत्रित किया। इजराइली सेना ने इस घटना में उसका हाथ नहीं होने का संकेत दिया और इसे गाजा का 'अंदरूनी' मामला करार दिया है।

ब्रिटेन अवैध प्रवासियों की संख्या में वृद्धि से निपटने के लिए फ्रांस को 7.4 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगा

लंदन। ब्रिटेन ने अंग्रेजी चैनल को पार करने वाली अवैध नौकाओं में वृद्धि से निपटने के लिए फ्रांस को अतिरिक्त 5.5 करोड़ पाउंड (7.4 करोड़) का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, चैनल पार करने वाले प्रवासियों की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए, ब्रिटिश गृह सचिव प्रीति पटेल ने फ्रांस के आंतरिक मंत्री गेराल्ड डारमैनिन के साथ हुए समझौते के तहत राशि का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की। पिछले साल आवंटित 2.5 करोड़ पाउंड के शीर्ष पर, फ्रांसीसी गश्ती पुलिस की संख्या को लगभग 200 प्रति दिन और उत्तरी फ्रांसीसी तट के एक व्यापक क्षेत्र में निगरानी प्रौद्योगिकी के उपयोग का विस्तार करने के लिए, गृह कार्यालय इसका भुगतान करेगा। इससे ब्रिटेन पहुंचने वाले अवैध प्रवासियों को वापस लेने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) देशों के लिए एक नया पैन-यूरोपीय सौदा बनाने के लिए एक संयुक्त बोली का नेतृत्व करने की भी उम्मीद है। गृह कार्यालय ने कहा कि 2021 में अब तक क्रॉसिंग करने वालों की संख्या पिछले साल के रिकॉर्ड 8,420 क्रॉसिंग से पहले ही अधिक है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पिछले तीन दिनों में लगभग 1,000 चैनल पार कर चुके गए हैं क्योंकि तस्करों ने अच्छे मौसम का फायदा उठाया, जिससे इस साल कुल संख्या कम से कम 8,452 हो गई।

रूस-अमेरिका संबंध खतरनाक टकराव के बिंदु पर

मॉस्को। रूस-अमेरिका संबंध एक खतरनाक टकराव के बिंदु पर पहुंच गए हैं। मॉस्को में विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि वाशिंगटन की ओर से लगातार सिस्टमैटिक तौर पर दबाव की वजह से ये नौबत आई है। मंत्रालय के कॉलेजियम की बैठक के बाद बुधवार को प्रकाशित बयान के अनुसार, वाशिंगटन की कार्रवाइयों के कारण हाल के वर्षों में रूस और अमेरिका के बीच संबंध खराब हो रहे हैं। उसमें कहा गया है कि रूस अमेरिका और उसके सहयोगियों के सिस्टमैटिक दबाव में है, जो काफी हद तक वैचारिक कारकों से प्रेरित है। वाशिंगटन की स्थिति अंतर्राष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन करती है और इसका कड़ा विरोध किया जाएगा, यह कहते हुए कि रूस अपने वैध हितों को बनाए रखेगा। मंत्रालय के अनुसार, जिनेवा में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन के बीच जून के शिखर सम्मेलन ने दिखाया कि रणनीतिक स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, साइबर सुरक्षा और क्षेत्रीय संघर्षों के समाधान जैसे क्षेत्रों में रचनात्मक बातचीत को पुनर्जीवित करने के कितने उचित अवसर थे।

30 अगस्त को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति की मेजबानी करेंगे बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन 30 अगस्त को व्हाइट हाउस में अपने यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर जेलेंस्की की मेजबानी करेंगे। इसकी जानकारी प्रेस सचिव जेन साकी ने दी। साकी ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा, यह यात्रा यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए डोनबास और क्रीमिया में रूस की जारी आक्रामकता के लिए अमेरिका के अटूट समर्थन की पुष्टि करेगी। एक बयान के अनुसार, दोनों नेता यूक्रेन में ऊर्जा सुरक्षा सहयोग और भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों पर भी चर्चा करेंगे। यह घोषणा तब हुई जब अमेरिका और जर्मनी नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन मुद्दे पर एक समझौते पर पहुंचे, जिसका यूक्रेन विरोध करता है। अगले महीने पूरी होने वाली 1,230 किलोमीटर लंबी गैस पाइपलाइन, बाल्टिक सागर के माध्यम से रूस से जर्मनी में सालाना 55 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस लाएगी।

पुनरुत्थान के बीच टेक्सास नया मास्क मैनडेट नहीं लागू करेगा

ह्यूस्टन (एजेंसी)।

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने घोषणा की कि वह ताजा कोविड मामलों और अस्पताल में भर्ती होने के बढ़ते मामले के बीच एक नया मास्क मैनडेट नहीं लागू करेंगे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एबट ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टेक्सास सरकारी जनादेश के समय से पहले हम पर व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। राज्यपाल ने एक दिन पहले स्थानीय टीवी स्टेशन केपीआरसी द्वारा साक्षात्कार के दौरान भी यही विचार व्यक्त किया था। एबॉट ने कहा कि कोई मास्क जनादेश नहीं लगाया जाएगा, और इसके कारण बहुत स्पष्ट हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जिनके पास कोविड के लिए प्रतिरक्षा है, चाहे वह टीकाकरण के माध्यम से हो, चाहे वह अपने स्वयं के जोखिम के माध्यम से हो। इससे वह रिकवरी और प्रतिरक्षा प्राप्त कर लेंगे। एबॉट ने केपीआरसी को बताया कि ये उन लोगों की आवश्यकता के लिए अनुचित होगा जिनके पास पहले से ही मास्क पहनने की प्रतिरक्षा है टेक्सास राज्य स्वास्थ्य सेवा विभाग के आंकड़ों से पता चला है कि हाल ही में टेक्सास में कोविड -19 सकारात्मकता दर 10 प्रतिशत रेड जोन की सीमा को पार कर गई है। सकारात्मकता दर फरवरी के बाद से इतनी अधिक नहीं रही है, और जून के मध्य में यह 2.8 प्रतिशत जितनी कम थी। इस बीच, पिछले तीन हफ्तों में राज्यव्यापी अस्पताल में भर्ती के मामले बढ़े हैं। 19 जुलाई तक, लगभग 43 प्रतिशत टेक्सस पूरी तरह से टीकाकरण करा चुके हैं, और टेक्सास विश्वविद्यालय, टेक्सास ट्रिब्यून के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि टेक्सास के लगभग आधे मतदाता अपने पूर्व-महामारी जीवन में लौट आए हैं। अप्रैल के बाद से हर महीने प्रशासित टीकों की संख्या में गिरावट आ रही है।

अमेरिका के उप विदेश मंत्री शेरमेन जाएंगे चीन

वॉशिंगटन। अमेरिकी उप विदेश मंत्री, वेंडी शेरमेन 25-26 जुलाई तक चीन की यात्रा करेंगी, इस दौरान वह स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी सहित शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेंगी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। विदेश विभाग की ओर से बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि शेरमेन तियानजिन की यात्रा करेंगी जहां वह वांग के साथ चर्चा करेंगी। ये चर्चा अमेरिकी हितों और मूल्यों को आगे बढ़ाने और रिश्ते को जिम्मेदारी से प्रबंधित करने के लिए चीनी अधिकारियों के साथ स्पष्ट आदान-प्रदान करने के लिए चल रहे अमेरिकी प्रयासों का हिस्सा हैं। उप सचिव शेरमेन उन क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे जहां हमें चीन की कार्रवाइयों के बारे में गंभीर चिंता है, साथ ही उन क्षेत्रों पर भी चर्चा होगी जहां हमारे हित संरेखित हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यात्रा की पुष्टि करते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि अमेरिका ने द्विपक्षीय संबंधों पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए शर्मन की यात्रा की व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखा था, जिस पर बाद में दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की। प्रवक्ता के अनुसार, वांग के अलावा, चीन-अमेरिका संबंधों का प्रभार संभालने वाले उप विदेश मंत्री झी फेंग भी शेरमेन के साथ बातचीत करेंगे।

हांगकांग पुलिस ने राजद्रोह के आरोप में मजदूर संघ के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया

हांगकांग। हांगकांग की पुलिस ने मजदूर संघ के पांच सदस्यों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया और एक अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में गिरफ्तार चार संपादकों एवं पत्रकारों को जमानत देने से इनकार कर दिया। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है वह 'जनरल एसोसिएशन ऑफ हांगकांग स्पीच थैरेपिस्ट्स' के सदस्य हैं। संगठन ने तीन बाल पुस्तकें प्रकाशित की हैं जिनके बारे में अधिकारियों को संदेह है कि वे राजनीतिक संकट के रूपक हैं। किताबों में ऐसी कहानियां हैं जो भेड़ के एक गांव के इर्द-गिर्द घूमती हैं जिन्हें एक अलग गांव के भेड़ियों से निपटना पड़ता है।

संघ की वेबसाइट पर प्रकाशित सारांश के अनुसार भेड़ें हड़ताल करने या नौका से बच निकलने जैसे कदम उठाती हैं। पुलिस ने पुष्टि की है कि उन्होंने मजदूर संघ से दो पुरुषों और तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है लेकिन उनकी या उनके संघ की पहचान नहीं की है। पुलिस ने कहा कि उन पर हांगकांग के लोगों में खासकर बच्चों में अधिकारियों एवं न्यायपालिका के प्रति घृणा, हिंसा और अन्य गैर-कानूनी कार्यों को उकसाने के इरादे से राजद्रोही प्रकाशनों को प्रकाशित करने, वितरित करने, प्रदर्शित करने या नकल करने की साजिश रचने का संदेह है।

पुलिस ने कहा कि उन्होंने संघ से जुड़ी 1,60,000 हांगकांग डॉलर की संपत्ति भी जब्त की। बृहस्पतिवार को, हांगकांग की अदालत ने अब बंद हो चुके लोकतंत्र समर्थक अखबार एप्पल डेली से चार शीर्ष संपादकों और पत्रकारों को जमानत देने से इनकार कर दिया। उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ साजिश रचने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया था।

तालिबान ने रणनीतिक शक्ति हासिल कर ली है : शीर्ष अमेरिकी जनरल

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने कहा है कि तालिबान अब कुल 212 यानि अफगानिस्तान के 419 जिला केंद्रों में से आधे को नियंत्रित करता है। इसे देखते हुए लगता है कि विद्रोहियों ने अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद से रणनीतिक शक्ति हासिल कर ली है। यूएस ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने बुधवार को पेंटागन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह प्रतीत होता है कि तालिबान ने रणनीतिक तौर पर शक्ति हासिल कर ली है। मिले ने कहा कि हम यह पता लगाने जा रहे हैं, कि वहां हिंसा किस स्तर पर हो रही है। क्या ये बढ़ने की संभावना है या पहले जैसी स्थिति है। क्या बातचीत के नतीजे अभी भी वहां संभावना है, तालिबान के अधिग्रहण की संभावना है (और) या किसी भी अन्य परिदृश्यों की संभावना है । उन्होंने अभी भी देश के तालिबान अधिग्रहण को रोकने के लिए अफगान बलों की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, दो सबसे महत्वपूर्ण लड़ाकू गुणक, वास्तव में, इच्छा और नेतृत्व हैं। यह अब अफगान लोगों, अफगान सुरक्षा बलों और अफगानिस्तान की सरकार की इच्छा और नेतृत्व की परीक्षा होने जा रही है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अंतिम खेल अभी हो गया है। एक नकारात्मक परिणाम, तालिबान का स्वत- अधिग्रहण, एक पूर्व निष्कर्ष नहीं है। मिले ने कहा कि आतंकवादियों नेअभी तक देश की 34 प्रांतीय राजधानियों में से किसी पर कब्जा नहीं किया है, लेकिन वे उनमें से आधे पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अफगान सुरक्षा बल काबुल सहित उन प्रमुख शहरी केंद्रों की सुरक्षा के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे हैं वह प्रमुख जनसंख्या केंद्रों को अलग कर रहा है। वे काबुल के लिए भी ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे हैं। बुधवार तक, तालिबान अब अफगानिस्तान के 419 जिला केंद्रों में से लगभग 212 को नियंत्रित करता है, मिले ने कहा, यह एक महीने पहले 81 जिला केंद्रों से एक महत्वपूर्ण छलांग थी। द हिल न्यूज वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में कहा कि शीर्ष अमेरिकी जनरल ने तालिबान के हालिया लाभ के लिए अफगान बलों को केंद्र की रक्षा को मजबूत करने के लिए जिम्मेदार ठहराया। मिले ने कहा कि इसका एक हिस्सा यह है कि वे अपनी सेना को मजबूत करने के लिए जिला केंद्रों को छोड़ रहे हैं क्योंकि वे आबादी की रक्षा के लिए एक दृष्टिकोण अपना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि ईद अल-अधा की छुट्टी के लिए हिंसा में कमी के बाद, शेष गर्मी युद्ध के ज्वार के लिए निर्णायक हो सकती है। 1 मई को युद्धग्रस्त देश से अमेरिकी नेतृत्व वाले बलों की वापसी की शुरूआत के बाद

से अफगानिस्तान में तालिबान और सुरक्षा बलों के बीच भारी लड़ाई देखी गई है। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि पिछले हफ्ते 95 फीसदी से ज्यादा निकासी पूरी हो चुकी है। पेंटागन के अनुसार, पिछले दो दशकों में अफगानिस्तान में 2,400 से अधिक अमेरिकी सैनिक मारे गए, 20,000 घायल हुए। अनुमान बताते हैं कि 66,000 से अधिक अफगान सैनिक मारे गए हैं, और 27 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया में तेजी से बढ़ रहे हैं कोरोना वायरस संक्रमण, मौत के मामले

कुआलालंपुर। (एजेंसी)।

इंडोनेशिया कोविड-19 मरीजों की संख्या बढ़ने के कारण देश में उत्पादन हो रहे अधिकतर ऑक्सीजन का इस्तेमाल चिकित्सा के लिए कर रहा है। मलेशिया में भी अस्पतालों में जगह नहीं मिलने के कारण फर्श पर ही मरीजों का उपचार हो रहा है जबकि म्यांमा के सबसे बड़े शहर में मौत के मामले बढ़ने से कब्रिस्तान में दिन-रात शव दफनाए जा रहे हैं। अप्रैल-मई में भारत में महामारी की तेज लहर के दौरान खुले में शवों के अंतिम संस्कार की भयावह तस्वीरें आयी थीं। कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के कारण नयी लहर के दौरान पिछले दो हफ्तों में दक्षिण-पूर्व एशिया के तीन देशों में मृत्यु के मामले तेजी से बढ़े हैं।

मलेशिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य सेलंगोर में कई मरीजों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है। मलेशिया में रेड क्रॉस के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र के स्वास्थ्य समन्वयक अभिषेक रिमल ने बताया कि संक्रमण को लेकर बढ़ती लापरवाही, कम टीकाकरण दर और वायरस के डेल्टा स्वरूप के तेजी से प्रसार के कारण मामले बढ़े हैं। मलेशिया में राष्ट्रीय लॉकडाउन के बावजूद संक्रमण के मामले कम नहीं हो रहे। देश में 13 जुलाई से हर दिन 10,000 से ज्यादा मामले आ रहे हैं। देश में अब तक 15 प्रतिशत आबादी का ही टीकाकरण हुआ है। इंडोनेशिया, म्यांमा और मलेशिया में जून के बाद से तेजी से मामले बढ़ रहे हैं।

कंबोडिया और थाईलैंड में भी संक्रमण और मौत के मामले बढ़ेहैं। दुनिया में आबादी के हिसाब से चौथे नंबर के देश इंडोनेशिया में बुधवार को संक्रमण से 1383 लोगों की मौत हुई। मध्य जून में रोजाना करीब 8,000 मामले आ रहे थे जिसके बाद पिछले सप्ताह 50,000 से ज्यादा मामले आने लगे। अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने से औद्योगिक इस्तेमाल के लिए निर्धारित ऑक्सीजन की खपत पर रोक लगा दी गयी है और 90 प्रतिशत ऑक्सीजन अस्पतालों को भेजे जा रहे हैं। म्यांमा में भी स्वास्थ्य ढांचे पर गंभीर असर पड़ा है। देश में मध्य मई से संक्रमण और मौत के मामले बढ़ने लगे। म्यांमा में मंगलवार को संक्रमण के 5860 मामले आए और 286 लोगों की मौत हुई। देश की करीब तीन प्रतिशत आबादी का ही टीकाकरण हो पाया है। पिछले सप्ताह से यांगून के सात कब्रिस्तान में दिन रात शव दफनाए जा रहे हैं। रविवार को ही 1200 से ज्यादा लोगों के शव दफनाए गए।

महिलाओं को लेकर बदली सऊदी अरब की सोच! पहली बार मक्का में हुई महिला सेना की तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस्लाम के सबसे पवित्र स्थल मक्का और मदीना में पहली बार सऊदी महिला सैनिकों की तैनाती की गई है। एक खबर के मुताबिक, सऊदी अरब ने सेना की तैनाती के लिए महिला सैनिकों के समूह को शामिल करने का बड़ा फैसला लिया है। हज वार्षिक तीर्थयात्रा को सुरक्षित करने में मदद कर रहे हैं इस सेना समूह में सऊदी वुमन सोल्जर्स ग्रुप में मोना भी शामिल हैं। मोना ने अपने दिवगंत पिता के करियर से प्रेरित होकर यह फैसला लिया है। बता दें कि अप्रैल महीने के बाद से, दर्जनों महिला सैनिक सुरक्षा सेवाओं का हिस्सा बन गई गई हैं जो इस्लाम के जन्म स्थान मक्का और मदीना में तीर्थयात्रियों की निगरानी करती हैं। मोना समेत कई महिला सैनिक खारी वर्दी, कूल्हे की लंबाई वाली जैकेट, ढीले पतलून और अपने बालों को ढकने वाले घूंघट पर एक काले रंग की बेरी के साथ मक्का में ग्रैंड मस्जिद में अपनी समय बिताती है। सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने सोशल और इकॉनोमिक सुधारों को आगे बढ़ाने के तहत विदेशी निवेश के लिए यह फैसला लिया गया है। इस सुधार योजना को विज़न 2030 का नाम दिया गया है। क्राउन प्रिंस ने महिलाओं पर ड्राइविंग प्रतिबंध हटा दिया है। इसके अलावा, महिलाएं बिना किसी मर्द के भी बाहर अकेले यात्रा करने की अनुमति दे दी है। बता दें कि कोरोना महामारी को देखते हुए सऊदी अरब ने विदेशों से लाखों अन्य तीर्थयात्रियों के अलावा अपने नागरिकों पर हज यात्रा की रोक लगा दी है।

पाकिस्तान में कभी भी हो सकता है घात, अपनी सुरक्षा अपने हाथ, चीनी इंजीनियर चल रहे एके-47 राइफल लेकर साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक पुरानी कहावत है अपनी सुरक्षा अपने हाथ, बाकी सारी झूठी बात। आतंकिस्तान में कभी भी घात की आशंका के मद्देनजर चीनी इंजीनियर्स ने यही नीति अपना ली है। पाकिस्तान के चीन-पाक आर्थिक गलियारे (सीपैक प्रोजक्ट) में काम कर रहे चीनियों ने बंदूक उठा ली है। आलम ये हो गया कि कंस्ट्रक्शन साइट पर चाइनीज इंजीनियर्स एके-47 राइफल ताने दिखें। खैबर पख्तूनवा में हुए धमाके के बाद चीनियों को पाकिस्तान पर भरोसा बिल्कुल नहीं रह गया है।

इमरान के सुरक्षा वाले दावों के बावजूद चीनी इंजीनियर्स ने थामे हथियार

चीन ने पाकिस्तान में इंजीनियरों के बस के ऊपर हुए आतंकी हमले को लेकर इमरान सरकार से गहरी नाराजगी जताई है। नागरिकों पर हुए हमले की जांच के लिए चीन ने एक टीम भी पाकिस्तान भेजी है। पाकिस?तान ने चीनी प्रॉजेक?ट और नागरिकों की सुरक्षा के लिए 30 हजार जवानों को तैनात किया है। लेकिन चीन सीपैक प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन साइट पर काम कर रहे अपने इंजीनियर्स की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। वहीं चीनी नागरिकों ने अपनी सुरक्षा के लिए एके-47 जैसे हथियार उठा लिए हैं।

चीनी इंजीनियरों से भरी बस पर हुआ हमला

गौरतलब है कि पाकिस्तान के आतंकी हमले में 9 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। जब चीनी इंजीनियर से भरी बस पर अटैक हुआ था। हमले में नौ चीनी इंजीनियर समेत 12 की मौत हुई। खैबर पख्तूनवा के कोहिस्तान इलाके में ये हमला हुआ था। चीनी इंजीनियर और निर्माण श्रमिक एक बांध बनाने में मदद कर रहे हैं। यह बांध 60 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा है।

संपादकीय

सुरक्षा की ओर

ताजा सीरोलॉजिकल सर्वे के नतीजे देख जहां एक ओर खुशी होती है, वहीं दूसरी ओर, चुनौती भी नजर आती है। देश भर में किए गए सीरो सर्वे में 67.6 प्रतिशत लोग पॉजिटिव पाए गए हैं, अर्थात इतने प्रतिशत लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं, और उनके शरीर में एंटीबॉडी विकसित हो चुकी है। जून-जुलाई में हुए इस सर्वे से कोरोना के खिलाफ भारतीयों की बढ़ती सुरक्षा का अंदाजा होता है। आश्चर्य नहीं, देश में बड़ी संख्या में लोगों को कोरोना ने संक्रमित किया है और उन्हें इसकी जानकारी भी नहीं मिली है। आधिकारिक रूप से भारत में महज 3.12 करोड़ लोग ही कोरोना संक्रमित हुए हैं। संभव है, इससे चार गुना मामले दर्ज नहीं हो सके हैं। ऐसे में, दर्ज और दर्ज न होने वाले मामले करीब 13 करोड़ के करीब हैं, जबकि सीरो सर्वे के मुताबिक, देश में 75 से 80 करोड़ लोगों तक कोरोना संक्रमण पहुंच चुका है। कोरोना का खतरा भले ही पूरी तरह न टला हो, लेकिन मोटे तौर पर भारत में 80 करोड़ से ज्यादा लोग अपेक्षाकृत सुरक्षित हो गए हैं। अब चिंता उन 40 से 50 करोड़ लोगों की है, जिन तक अभी कोरोना नहीं पहुंचा है। सीरो सर्वे मोटे तौर पर एक अनुमान ही पेश करता है। काश, यह बता पाता कि किन लोगों तक संक्रमण नहीं पहुंचा है। यदि यह पता लग जाए कि कौन अभी भी ज्यादा असुरक्षित है, तो उसे टीकाकरण और अन्य उपायों से सुरक्षित करने पर जोर लगाया जा सकता है। चूंकि वास्तविक स्थिति से हम अनजान हैं, इसलिए उन तमाम लोगों तक हमें जल्द से जल्द टीकों का लाभ पहुंचाना चाहिए, जो अभी तक वंचित हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय सीरो सर्वे का चौथा चरण जून-जुलाई में 21 राज्यों के 70 जिलों में आयोजित किया गया था। इसमें 6-17 वर्ष की आयु के बच्चे भी शामिल थे। खास बात यह भी कि सर्वेक्षण में शामिल किए गए स्वास्थ्यकर्मियों में 85 प्रतिशत में कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी पाई गई है, जबकि स्वास्थ्यकर्मियों में 10 प्रतिशत को अब तक टीका नहीं लग पाया है। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां सख्ती से कदम उठाने चाहिए और तमाम स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा कवच से सुसज्जित करना चाहिए। यदि हम चिकित्साकर्मियों और तमाम डॉक्टरों को कोरोना से सुरक्षित कर सकें, तो भी यह हमारे लिए बड़ी सफलता होगी और स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यापक सुधार आएगा। हमें सावधान रहने की जरूरत है, कोरोना अभी गया नहीं है। कई राज्यों में चिंता कायम है। प्रधानमंत्री भी बार-बार सतर्कता बरतने की सलाह दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय को लक्ष्य दिया गया है कि वह किसी तरह से तीसरी लहर को रोके। तीसरी लहर को रोकने में सीरो सर्वे से सहायता मिल सकती है। सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक स्तर पर भीड़ को रोकना जरूरी है। अनावश्यक यात्राओं से बचना और पूरी तरह से टीकाकरण ही सबसे अच्छे उपाय हैं। इधर, स्कूलों को खोलने की जल्दी दिख रही है, तो हमें पूरी तरह से विचार कर लेना चाहिए। एक तरफ, बच्चों में संक्रमण को लेकर चिंता है, दूसरी ओर, स्कूल खोलने की चर्चा विरोधाभास ही है। आईसीएमआर ने सुझाया है कि प्राथमिक विद्यालयों को पहले खोलना विवेकपूर्ण होगा, क्योंकि बच्चे संक्रमण से कहीं बेहतर निपट सकते हैं। हालांकि, पहले यह देख लेना चाहिए कि क्या सभी अभिभावकों और स्कूल स्टाफ का टीकाकरण हो चुका है?

आज के ट्वीट

आइना

दैनिक भास्कर अखबार और भारत समाचार न्यूज़ चैनल के कार्यालयों पर इनकम टैक्स का छापा मीडिया को दबाने का एक प्रयास है। मोदी सरकार अपनी रत्तीभर आलोचना भी बर्दाश्त नहीं कर सकती है। यह भाजपा की फासीवादी मानसिकता है जो लोकतंत्र में सच्चाई का आइना देखना भी पसंद नहीं करती है। -- मु. अशोक गहलोत

नये वेरिएंट और तीसरी लहर की चुनौती

डॉ. जगत राम, डॉ. राकेश कोछड़

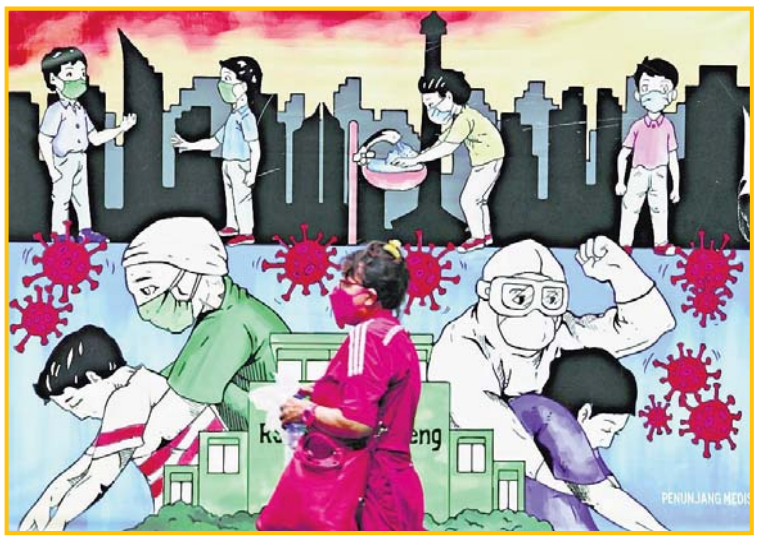

भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर में रोजाना 4 लाख नये केसों की ऊंचाई छूने के बाद अब संक्रमित हुए लोगों की संख्या उतार पर है, तथापि तीसरी लहर की आशंका बरकरार है। लॉकडाउन में ढील के बाद लोगों ने सावधानियों की परवाह करनी बंद कर दी है। वे पहाड़ों की सैर पर यूं निकले हुए हैं, मानो 'पिछला बदला' चुका रहे हों। इस तरह अपने साथ सबको नये खतरे में डाल रहे हैं। लगभग एक सदी पहले आए स्पैनिश फ्लू वैश्विक महामारी के दौरान चार लहरें आई थीं। कई देशों में मौजूदा नॉवेल कोरोना वायरस-कोव-2 की तीसरी लहर आ चुकी है। बेल्जियम की महिला को एक साथ दो प्रतिरूपों (वेरिएंट) से पीड़ित पाया गया है, इससे स्थिति और गंभीर बन चली है। भारत में भी एक महिला पाई गयी है, जिसको एक साल बाद दुबारा कोविड संक्रमण हुआ है। यूके, अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में कोविड के मामलों में मौजूदा उफान का संबंध कोरोना के डेल्टा वेरियंट से है। यह प्रतिरूप कोविड के उन चार वेरिएंट्स में से एक है, जिसको 'चिंता का विषय' श्रेणी में रखा गया है। कोई वेरियंट तब बनता है जब उसकी जैविक संरचना (ऑर्गेनिस्म) में उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) होता है। यह म्यूटेशन या बदलाव उस वक्त भी हो सकता है जब ऑर्गेनिस्म प्रजनन करते वक्त 'प्रतिलिपि गलती' (कॉपिंग एरर) कर जाए। किसी वायरस के एक अथवा दो बार से ज्यादा नये म्यूटेशन हो जाने पर इसको 'वेरिएंट' कहते हैं। क्रम रहित (रेंडम) म्यूटेशन, जिसके परिणाम स्वरूप या तो वायरस को जीवित बने रहने का बेहतर मौका मिलता या फिर वह अप्रभावी बन जाता है, यह गुण-दोष उसकी अगली पीढ़ियों में स्वतः स्थानांतरित होता है। कुछ म्यूटेशन ऐसे होते हैं जो वायरस को निष्प्रभावी अथवा कम संक्रमणशील बना देते हैं। यदि वेरियंट ज्यादा संक्रमणशील, बीमारी गंभीर अवस्था में पहुंचाने वाला या फिर ऐसा हो, जिसके ऊपर वैक्सीन असर ही न करे, तब ग्रसित व्यक्ति के लिए यह म्यूटेशन चिंताजनक हो जाता है। 'चिंता के विषय' सूची में कुछ मौजूदा वेरियंट्स हैं: अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा। इनमें कुछेक बीमारी को गंभीर अवस्था में पहुंचा सकते हैं, तो चंद ऐसे हैं जो मोनोक्लोनल एंटीबॉडी दवा या व्यक्ति में पिछले संक्रमण के वक्त पैदा हुई एंडीबॉडीज या फिर वैक्सीनजनित प्रभाव को चकमा दे देते हैं। डेल्टा वेरियंट 100 से ज्यादा देशों में फैल चुका है और बहुत जगहों पर संक्रमण का मुख्य कारक है। आगे इसका 'डेल्टा-प्लस' नामक एक उप-वेरियंट है, जिसका उद्भव महाराष्ट्र में हुआ था। इस वेरिएंट में पिछले कोविड वेरिएंट से बनने वाले लक्षणों के अलावा पेट दर्द, जी मितलाना, भूख में कमी और उल्टी आने के चिन्ह मिलते हैं। अन्य कई वेरिएंट्स को भी 'चिंता का विषय' श्रेणी में रखा गया है, जिनको क्रमशः ईटा, एप्सीलॉन, थीटा और काप्पा कहा जाता है। ये भी अधिक संक्रमणशील हैं या फिर रोधप्रतिरोधक क्षमता को गच्चा देने वाले हैं। हालांकि इन सबके सबूत अभी प्रारंभिक हैं। इस महीने के शुरू में, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक अन्य वेरियंट लैम्डा को भी 'चिंता का विषय' सूची में रखा था। इसका उद्भव और पहली बार शिनाख्त पेरू में हुई है। पिछले चार सप्ताह में 30 से अधिक देशों में इसको पाया जा चुका है। कुछ अन्य वेरिएंट्स पर भी नज़र रखी जा रही है। मसलन, आयोटा और ज़ीटा। इनके बारे में भी जानकारी पूरी तरह उपलब्ध नहीं है। जनस्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि भारत में तीसरी लहर आकर रहेगी, बस सवाल यह है... कब? इस चिंता के पीछे लोगों का व्यवहार है, जो सावधानियों को नज़रअंदाज़ कर रहा है। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय को दखल देकर धार्मिक समागमों पर रोक लगानी पड़ी है। केंद्रीय गृह सचिव ने इस बात पर विशेष ध्यान दिलाया है कि पहले ही कुछ सूबों में संक्रमण का आर-फैक्टर (प्रजनन अवयव) बढ़ने लगा है। आर-फैक्टर उस दर का सूचकांक है, जिस पर संक्रमण बढ़ता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हम लोगों ने सावधानी नहीं बरती और संक्रमण चक्र नहीं तोड़ा तो भारत में तीसरी लहर अगले दो महीनों में आ सकती है। 14 जुलाई तक, देश की केवल 31 फीसदी आबादी को टीका लग पाया है, इसमें भी दोनों खुराकें पाने वाले केवल 7.7 प्रतिशत लोग हैं। यह कहा जा रहा है कि शायद तीसरी लहर बच्चों को ज्यादा प्रभावित करने वाली होगी क्योंकि वैक्सीन 18 साल से ऊपर वालों को ही लग रही है। हालांकि इस विषय में डाटा विरोधाभासी है। एक ओर रिपोर्ट बताती है कि कोविड का शिकार बने बच्चों की संख्या बढ़ी है। जैसा कि पुणे के आंकड़े बताते हैं कि 1 से 7 जुलाई के बीच नये 2065 मामलों में बच्चों की गिनती 268 थी, वहीं दूसरी ओर पीजीआईएमआर चंडीगढ़ द्वारा करवाया गया सीरो-अध्ययन बताता है कि संक्रमित हो चुके कुल बच्चों के दो-तिहाई में पहले ही वायरस के प्रति एंटीबॉडीज बन चुकी हैं। लिहाजा, असली तस्वीर जानने के लिए कि आबादी में कितनों को संक्रमण छू चुका है, इसके लिए देश के विभिन्न भागों और आयु वर्गों में बड़े स्तर वाला सीरो-सर्वे करवाना चाहिए। जीनोम-निगरानी के जरिए नये वेरिएंट्स पर नजर रखने की जरूरत है। केरल का हालिया डाटा बताता है कि नये मामलों का 62 प्रतिशत डेल्टा वेरिएंट की वजह से है, जिसके उपवर्ग में अल्फा (26 फीसदी), बीटा (8.24 फीसदी) तो काप्पा (2.7 फीसदी) का हिस्सा था। देशभर में अल्फा और काप्पा वेरिएंट्स का अनुपात सबसे अधिक केरल में पाया गया है। महाराष्ट्र और उत्तर-पूर्वी राज्यों में ज्यादातर मामले डेल्टा वेरिएंट वाले रहे हैं। कोविड के वेरिएंट यात्रियों के माध्यम से सीमाओं के पार जाकर फैलने के लिए कुख्यात हैं। डेल्टा का उद्भव भारत में हुआ लेकिन अब दुनियाभर के देशों में नये मामलों में 90 फीसदी से ज्यादा इसकी वजह से हैं। लैम्डा वेरिएंट, जो पेरू में उपजा है, उससे एशिया में केवल एक ही मामला इस्राइल में पाया गया है। तीसरी लहर से बचना है तो हम सबको कोविड संबंधी रोकथाम संहिता का पालन करना होगा और गैर जरूरी घूमने, भीड़ लगाने और सामाजिक समागम करने से गुरेज करना चाहिए। संक्रमण की विषैली-कड़ी को तोड़ने के लिए वैक्सीन टीकाकरण बढ़ाना होगा, जिसकी बदौलत नये वेरिएंट्स पनपने की संभावना से बचा जा सकता है। इस बात का पूरा खतरा है कि कोई 'भगोड़ा वेरिएंट' ऐसा भी आ सकता है, जो पूर्व में कोविड-ग्रसित हुए व्यक्ति में बनी एंटी-बॉडीज और मौजूदा वैक्सीन की प्रभावशीलता को चकमा दे जाए। 'द नेचर' नामक प्रकाशन में आई फ्रांस की रिपोर्ट बताती है कि फ़ाइज़र और एस्ट्रा-ज़ेनेका (कोविशील्ड) नामक टीके की पहली खुराक से डेल्टा वेरिएंट से केवल 33 फीसदी सुरक्षा बन पाई है। दूसरी खुराक के दो हफ्तों बाद फ़ाइज़र की प्रभावशीलता 88 फीसदी तो एस्ट्रा-ज़ेनेका की 60 प्रतिशत रही। इसलिए अति आवश्यक है कि नये बनने वाले वेरिएंट्स पर कड़ी नज़र रखी जाए और जितनी जल्द समूचे विश्व को टीका लग पाएगा, उतनी जल्द 'भगोड़े वेरिएंट' का खतरा कम हो जाएगा।

लेखक पीजीआईएमआर, चंडीगढ़ के निदेशक और सह-लेखक गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में प्रोफेसर हैं।

ज्ञान गंगा

अनाचार

श्रीराम शर्मा आचार्य/ आकर्षक लगने वाली सभी वस्तुएं उपयोगी नहीं होतीं। सर्प, बिच्छू, कांतर, कनखजूरे जैसे प्राणी देखने में सुन्दर लगते हैं पर उनके गुणों को देखने पर पता चलता है कि वे समीप आने वाले को कितना त्रास देते हैं? प्रथम पहचान में ही न किसी का मित्र बनना चाहिए और न किसी को बनाना चाहिए। चरित्र के बारे में बारीकी से देखना, समझना और परखना चाहिए। मात्र शालीनता के प्रति आशा रखने वाले और आदशरे का दृढ़तापूर्वक अवलम्बन करने वाले ही इस योग्य होते हैं कि उनसे घनिष्ठता का संबंध स्थापित किया जाए। बड़ी बात दुर्जनों को समझाकर सज्जनता के मार्ग पर लाना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि उनके गिरोह को छिन्न-भिन्न करने से लेकर घात लगाने की चलती प्रक्रिया में कारगर अवरोध खड़े कर देना। इसके लिए जनसाधारण को साहस जगाने वाला प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, प्रतिरोध कर सकने वाली साहसिक मंडलियों का गठन किया जाना चाहिए और सरकरी तंत्र तक यह आवाज पहुंचाई जानी चाहिए कि उसके भागीदार अधिकारी कर्मचारी उस कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करें जिसके लिए उन्होंने जिम्मेदारी कंधे पर उठाई है। इस कार्य में उन्हें जहां भी कठिनाई अनुभव हो रही हो, उसे दूर करने के लिए जागरूक नागरिकों को समुचित प्रयत्न करना चाहिए। जनता का साहस, सुरक्षा बलों का पराक्रम और सरकारी तंत्र का समुचित योगदान यदि मिलने लगे तो गुंडागर्दी का उन्मूलन कठिन न रहेगा। हर व्यक्ति अपने को ऐसा चुस्त-दुरु स्त रखे, जिससे प्रतीत हो कि वह किसी भी आक्रमण का सामना करने के लिए तैयार है। यह कार्य प्रायः एकाकी होने पर नहीं बन पड़ता, समूह में अपनी शक्ति होती है। मिल-जुलकर रहने और एक-दूसरे की क्षमता बनाए रहने पर आधी मुसीबत टल जाती है। निजी हौसला बुलन्द रखने के अतिरिक्त अपने जैसे ही साहसी लोगों का संगठन बना लेना चाहिए और उनके साथ-साथ रहने, साथ-साथ उठने-बैठने के अवसर बनाते रहने चाहिए। बर्र के छत्ते में हाथ डालने में डर लगता है, पर यदि वह अकेली पास आ डटे तो उसका कचूमर निकालने के लिए कोई भी तैयार हो जाता है। बन्दर समूह में रहते हैं और एक को छेड़ने पर दूसरे भी उनकी सहायता को इकट्ठे हो जाते हैं। इस कारण लोग बन्दरों के झुंड को छेड़ते नहीं, उससे बचकर ही निकलने में अपनी भलाई देखते हैं।

जनसंख्या नीति के साथ डीएनए डेटा संधारण पर विचार की जरूरत

- कौशल मूंदड़ा

पिछले दिनों से देशभर में जनसंख्या नीति को लेकर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। इसी बीच, कर्नाटक हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि माता-पिता नाजायज हो सकते हैं लेकिन संतान नहीं क्योंकि अपने जन्म में बच्चे की कोई भूमिका नहीं होती। इन्हीं दो मुद्दों पर गहराई से मंथन किया जाए तो अब देश में डीएनए डेटा संधारण की जरूरत महसूस होने लगी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि देश की एक राज्य सरकार ने तीसरी संतान होने पर हर तरह की सरकारी सब्सिडी व सुविधाएं स्थगित करने का प्रावधान निर्धारित किया है। अबतक ऐसा नहीं होता था इसलिए दो से अधिक संतानों पर भी सब्सिडी व सुविधाएं मिलती रहती थीं और देश में हो रहे जनसंख्या विस्फोट के विषय पर व्यक्ति सरोकार नहीं रखता था। अब व्यक्ति सोचने पर मजबूर होगा। इसी के साथ बलवती होती इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि सख्त जनसंख्या नीति माता-पिता को संतान का त्याग करने पर भी मजबूर कर सकती है। इसे दूसरे शब्दों में यूं भी कहा जा सकता है कि तीसरी संतान के त्याग का तरीका अपनाकर जनसंख्या नीति को चुनौती दी जा सकती है। अबतक हम यही मानते रहे हैं कि सामाजिक लोकलाज के भय से नन्हीं-सी जान को अनाथालय के पालने में दूसरों के भरोसे छोड़ने की मजबूरी होती है अथवा आकस्मिक विपत्ति इस मजबूरी का कारण बनती है जब माता-पिता का साया सिर से उठ जाता है। लेकिन अब निहित स्वार्थों के चलते तीसरी संतान के त्याग का चलन न बन जाए, यह आशंका बनी रहेगी। भले सरकार दो संतानों के बाद तीसरे गर्भ के सुरक्षित समाधान के लिए प्रावधान बना ले लेकिन कतिपय नीति विरोधी ताकतें जनसंख्या को बढ़ाने के लिए संतानों को अनाथालयों के पालनों में डालने का तरीका अपना सकती हैं। हो सकता है कि अनाथालय भी चुनिंदा हों जो इस तरह के षड्यंत्र में शामिल हों। अब अनाथालयों में आए बच्चों को तो सरकार को संभालना ही होगा। इससे कोई भी सरकार इनकार नहीं कर सकती। ऐसी आशंकाओं में डीएनए का डेटा बैंक बेहद कारगर साबित हो सकता है। बच्चों के पैदा होते ही उनके माता-पिता के डीएनए के साथ उसका डीएनए लेकर सरकार आधारकार्ड जैसे पहचान पत्र में इसे शामिल कर सकती है अथवा सरकार इसे गोपनीय डेटा के रूप में भी अपने पास संग्रहित रख सकती है। ऐसे में अनाथालय के पालने में पहुंचने वाले बच्चे के जनकों का भी पता लगाना आसान हो सकेगा। हालांकि, सरकार को अस्पतालों पर मॉनिटरिंग रखनी होगी कि वे डीएनए डेटा संग्रहित करने में ईमानदारी बरतें। ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता के डीएनए डेटा की उपलब्धता न हो सके, उनका रिकॉर्ड अलग से वर्गीकृत करने के प्रावधान पर भी विचार करना होगा। कर्नाटक हाईकोर्ट की टिप्पणी पर बात करें तो हाईकोर्ट की चिंता उस बच्चे को लेकर है और सही भी है कि उस बच्चे का आखिर क्या दोष। ऐसे मामलों में भी डीएनए डेटा बैंक का प्रावधान कारगर साबित हो सकता है। अव्वल तो डीएनए डेटा बैंक जिस दिन से बनना शुरू होगा, तब से उम्मीद की जा सकती है कि अनैतिक कृत्यों और अपराधों में कमी शुरू हो जाए। ऐसे अपराधियों की पहचान करना कानून के लिए आसान होगा। इससे भी ऊपर उन आपराधिक मानसिकता के लोगों पर दबाव होगा जो झांसा देकर किसी भी युवती के साथ अनैतिक सम्बंध बनाते हैं और बाद में उनका त्याग कर देते हैं। डीएनए के मामले में देश में एक बड़े राजनेता का मामला चर्चित भी रहा और डीएनए उस मामले में न्याय का आधार बना था। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की सेवानिवृत्त छात्रकल्याण अधिष्ठाता मनोविज्ञानी और समाजशास्त्री प्रो. विजयलक्ष्मी चौहान कहती हैं कि नागरिकों के डीएनए डेटा का संग्रहण न केवल जनसंख्या नियंत्रण की नीति को धोखा देने वालों की पहचान करा सकती है, बल्कि इस डेटा का उपयोग अपराधियों की मानसिकता को समझने और विभिन्न बीमारियों के उपचार ढूंढ़ने में भी हो सकता है। वे कहती हैं कि सामाजिक सुरक्षा के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा में भी इस डेटा का उपयोग महत्वपूर्ण साबित होगा, बशर्ते सरकार इस डेटा की सम्पूर्ण सुरक्षा की नीति पुख्ता बनाए क्योंकि शातिर मानसिकता वाले लोग दूसरों को फंसाने के लिए भी ऐसे डेटा का इस्तेमाल कर सकते हैं। कुवैत ने हिंसा और आतंकवाद पर अंकुश के लिए डीएनए सैम्पल लेने का नियम बनाया था। अमेरिका में भी किसी भी मामले में गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए लोगों का डीएनए लिया जाता है। ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन में भी ऐसा नियम है। हालांकि, इसका कई जगह मानवाधिकार संस्थाओं की ओर से पुरजोर विरोध भी किया गया है लेकिन किसी अपराध के मामले में डीएनए सैम्पल लेने का नियम कई देशों में लागू है। भारत में भी वर्ष 2015 में मोदी सरकार द्वारा वर्ष 2012 में तत्कालीन केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए बिल को संशोधित करके ह्यूमन डीएनए प्रोफाइलिंग बिल - 2015 प्रस्तुत करने की कवायद की गई थी, तब यह चर्चा में रहा था। आज के परिप्रेक्ष्य में इसकी जरूरत समझी जा सकती है। चाहे जनसंख्या नीति के लिए हो, अनैतिक अपराध कम करने के लिए हो अथवा राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला हो, डीएनए के डेटा बैंक की अवधारणा पर विचार आज की परिस्थितियों में आवश्यक हो गया है। चाहे वृहद स्तर पर हो या सीमित स्तर पर, इस पर विचार करना अब समय की जरूरत हो गई है। आधार कार्ड में अंगुलियों के निशान और आंखों की पुतलियों के स्कैन का डेटा सरकार के पास सुरक्षित है तो डीएनए का डेटा भी सुरक्षित रह सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

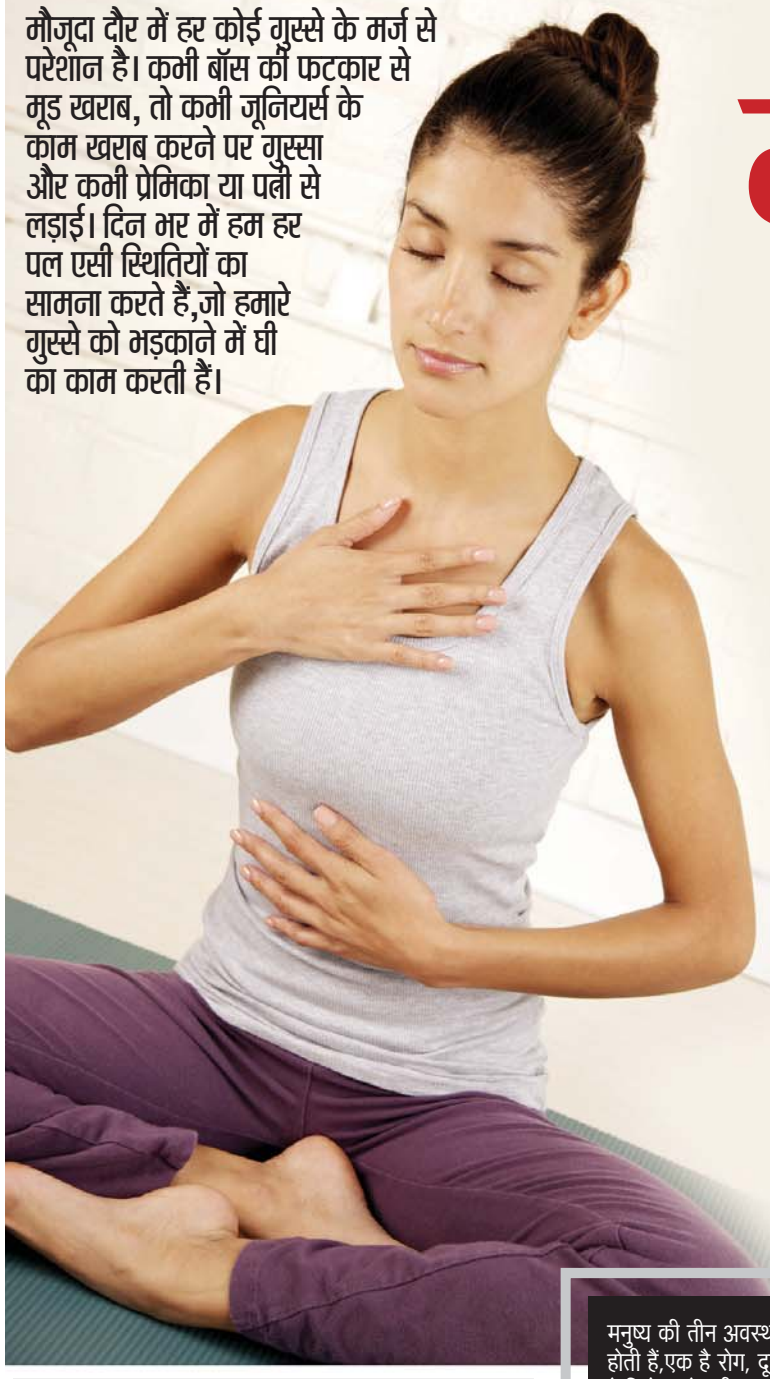

मौजूदा दौर में हर कोई गुस्से के मर्ज से परेशान है। कभी बॉस की फटकार से मूड खराब, तो कभी जूनियर्स के काम खराब करने पर गुस्सा और कभी प्रेमिका या पत्नी से लड़ाई। दिन भर में हम हर पल एसी स्थितियों का सामना करते हैं,जो हमारे गुस्से को भड़काने में घी का काम करती हैं।

गुस्से को करें योग से छूमंतर

पावर ऑफ योगा

श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत् में कहा है कि गुस्से से इंसान का विवेक खत्म हो जाता है। वह अच्छे-बुरे में फर्क नहीं कर पाता। दरअसल गुस्सा एक तरह का नकारात्मक सम्मोहन है,जिससे बुद्धि का नाश होता है और अंतत- यह इंसान को दिशाहीन कर देता है।

नकारात्मक संवेग

इस धरती पर गुस्सा सबसे खतरनाक नकारात्मक संवेग है। वेदों के मुताबिक केवल यही वह संवेग है, जिस पर यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया जाए या इंसान की मन-स्थिति को जल्द न बदला जाए,तो यह उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है,क्योंकि गुस्से से प्राण शक्ति और पुण्य नष्ट हो जाते हैं। गुस्स में व्यक्ति विवेकहीन होकर कई गलत काम कर बैठता है,उसके अच्छे कर्मो का क्षय होता है।

गुस्से से ह्रदय रोग

विस्तृत शोधों के बाद चिकित्सा विज्ञान भी इस नतीजे पर पहुंचा है कि गुस्से से ह्रदय रोग और अकाल मौतहोने तक की आशंका बढ़ जाती है। इसकी वजह यह है कि क्रोध से हमारे शरीर में तनाव पैदा करने वाले हॉर्मोंस बढ़ते हैं,जिससे खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के साथ ही और खतरनाक परिवर्तन भी हो सकते हैं। नतीजतन ह्रदय का पोषण करने वाली धमनियां ब्लॉक हो सकती हैं। क्रोधी व्यक्ति का स्वास्थ्य और हेल्थ हैबिट्स दोनों ही गड़बड़ होते हैं।

फायदेमंद है योग

स्ट्रेस हॉर्मोन के बढ़ने से दूसरी असाध्य बीमारियां भी हो सकती हैं। खुशकिस्मती से हमारे यहां योग में क्रोध को शांत करने और उसका उपचार करने के कई तरीके हैं। यहां एक आसन का विवरण दिया जा रहा है,जो हमारे दिमाग के उस हिस्से पर सीधा सकारात्मक असर डालता है,जो क्रोध पैदा करने के लिए उत्तरदायी है। इस आसन के और भी बहुत से शारीरिक और मानसिक फायदे हैं।

तकनीक

घुटनों को सीधा रखते हुए बिल्कुल सीधे खड़े हों। सीधे झुकते हुए एड़ी के पीछे पांवों के पास धरती पर अपनी हथेलियां टिकाएं। यदि आपकी हथेलियां धरती को नहीं छू पाती हैं तो घुटनों तक झुकें या घुटनों को सीधा रखें। अब सिर को ऊंचा करने की कोशिश करें और पीठ को खींचे। इसी स्थिति में रहते हुए सामान्य ढंग से सांस लें। पांच सैकंड या इससे कम समय के लिए इसी मुद्रा में रहें और फिर सांस खींचते हुए तड़ासन की स्थिति में आएं। इस तरह दो-तीन बार इसे दोहराएं।

आसन के फायदे

यह आसन उनके लिए वरदान है,जिनका स्वभाव क्रोधी है या जो जल्द गुस्से में आ जाते हैं। यह ब्रेन सेल्स का तनाव दूर करते हैं,खासकर एमिगडाला का। इससे बहुत शान्ति मिलती है। यह लीवर, स्प्लीन और किडनी को भी स्वस्थ रखता है। इससे ब्लडप्रेशर और ह्रदय रोग से बचाव होता है।

सर्वांगासन

इस आसन के जरिए आप अत्यधिक गुस्से को तो नियंत्रण में कर ही सकते हैं। साथ ही सिरदर्द,एनिमिया और अपच जैसी बीमारियों को दूर कर शरीर में नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। अपने हाथ और पैर सीधे कर के जमीन पर लेट जाएं और गहरी सांस लेते हुए अपने दोनों पैरों को सीधे ऊपर की ओर उठाएं।

अपने हिप्स को ऊपर उठाते हुए पैरों को सीधा करे और बाद में सिर की ओर 45 डिग्री का कोण बनाने की कोशिश करें। सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों से पीठ को सहारा दें। इस स्थिति में अंगूठे शरीर के अगले हिस्से और बाकी उंगलियां पीठ पर होनी चाहिए। पैरों को ऊपर की ओर उठाएं। अपनी पीठ को बिल्कुल सीधा कर लें और अपनी ठोढ़ी को बिल्कुल गले के पास लगाएं। धीरे-धीरे सांस लें। इस प्रक्रिया को कई बार दोहराते रहें। आसन के वक्त मन को पूरी तरह शांत रखें। जरूरत से ज्यादा आसन करने से बचें।

सही आदत नो बीमारी

आज चार वर्ष के बच्चे को भी चश्मा पहने देख सकते हैं और अस्सी साल के वृद्ध को भी... दोनों को कोई अंतर नहीं है दस साल के बच्चे को भी शुगर की बीमारी है तो 30 साल के युवा को भी। एसे में यदि कहा जाए कि अत्याधुनिक लाइफ स्टाइल ही हमारी ज्यादा और नई बीमारियों का कारण है, तो गलत नहीं होगा। इसके लिए कुछ हद तक तो हमारा लाइफस्टाइल जिम्मेदार है तो कुछ हमारी अपनी आदतें भी जिम्मेदार हैं। जिन्हें अगर हम सुधार लें तो कई बीमारियों से बच सकते हैं।

बड़े-बुजुर्ग कह गए हैं, जैसा अन्न, वैसा मन। यह सौ फीसदी सही है। चूंकि नया लाइफस्टाइल अपनाने के चक्कर में सबसे पहले हम बदलते हैं डाइट। आजकल लोग दो मिनट में तैयार होने वाले फूड को प्रिफर करते हैं ताकि समय बचे जिसे वे और कहीं यूटिलाइज कर सकें। लेकिन अगर आपके पास स्वास्थ्य ही नहीं है तो फिर धन किस काम का। कहा भी गया है, पहला सुख निरोगी काया। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आप ताउम्र स्वस्थ रहें और किसी भी तरह की कोई बीमारी आपको न लगे तो सबसे पहले आप अपनी डाइट में सुधार करें और अपनी डाइट में हेल्दी और न्यूट्रीशियस खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

तनाव न बाबा न...

यह तो हम सब मानेंगे ही कि आजकल की हमारी जैसी जीवनशैली है उसमें आराम के पल कम और तनाव के पल ज्यादा मिलते हैं। जिसका सीधा सा असर हमारे शरीर पर पड़ता। जिस कारण कम उम्र में ही लोग ब्लड शुगर, हाईब्लड प्रेशर और न जाने कौन-कौन सी बीमारियों के घेरे में आ जाते हैं। इसलिए बीमारियों को कहना है गुडबाय तो पहले टेंशन को कहना होगा गुडबाय और स्माइल और खुशी को करना होगा वैलकम।

व्यायाम है जरूरी

स्वस्थ रहने के लिए अन्य जो बातें महत्वपूर्ण हैं उसमें सबसे पहली बात है कि सिगरेट और शराब का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा नियमित रूप से चाहें आप किसी भी उम्र के क्यों न हों व्यायाम या योग करें। इससे एक तो आपकी अतिरिक्त चर्बी और कैलोरी कम होती है दूसरे आपका शरीर अंदर से स्वस्थ महसूस करता है। इसलिए हर रोज कम से कम आधा घंटा व्यायाम तो जरूर ही करें।

अवचेतन का संदेश सुनें देह से करें दोस्ती

मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं,एक है रोग, दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वैलनेस। यह जो वैलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है, वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता है,वह एक इकाई है।

तनाव भरे समय में ऐसा इंसान मिलना मुश्किल है जिसे कोई न कोई शारीरिक तकलीफ या कोई मानसिक उलझन न हो। लोगों को अक्सर यह महसूस होता है कि वैसे तो उन्हें अपने स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ नहीं दिखाई देती,लेकिन कुछ ऐसा भी है जो दुरूस्त नहीं लगता। कुछ बेचैनी सी,कुछ असंतुलन सा। मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं- एक है रोग,दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वैलनेस। यह जो वैलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है,वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता है,वह एक इकाई है। लगभग आधी से अधिक शारीरिक व्याधियां मानसिक तनाव के कारण होती हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हमें बौद्धिक समझ प्रदान करने वाले हमारे सचेत मन,यानी कॉशन्स माइंड की पतली सी परत हमारे समूचे अस्तित्व का सिर्फ दसवां हिस्सा होती है। जैसे किसी फल का छिलका होता है वैसे ही सचेत मन अवचेतन मन का एक छिलका भर होता है।

इसी छिलके को हम शिक्षित करते हैं, सभ्य, सुसंस्कृत बनाते हैं, नीति, धर्म इत्यादि सिखाते हैं लेकिन इस चेतन परत के मुकाबले मस्तिष्क की अवचेतन परतें अधिक महत्वपूर्ण हैं। अगर हमारा नाता अपने ही अवचेतन से टूट गया तो हमारा जीवन स्वस्थ और संतुलित नहीं रह पाता। जब भी आदमी किसी रोग से ग्रसित होता है तो उसकी जड़ें उसके गहन अवचेतन मन में होती हैं। कोई दबाया हुआ क्रोध या दुख या भय अंदर पड़ा-पड़ा नासूर बन जाता है और फिर वह कैंसर या अन्य किसी रोग के रूप में प्रगट होता है। वो रसायन शरीर के अंगों में प्रवेश कर उन अंगों को कमजोर बनाता है और धीरे-धीरे रोग उनमें घर बना लेता है।

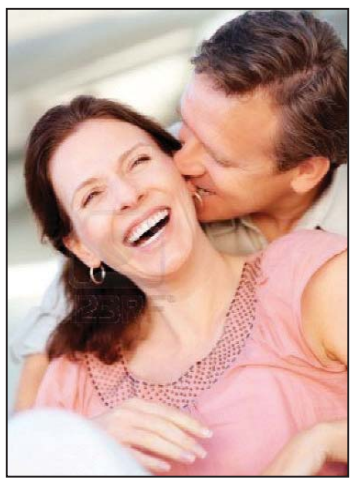

बॉडी-माइंड बैलेंसिंग

अवचेतन की इसी शक्ति को ध्यान में रख कर ओशो ने एक प्राचीन तिब्बती ध्यान पद्धति को पुनर्जीवित किया है। उसे नाम दिया है बॉडी-माइंड बैलेंसिंग,देह और मन का संतुलन। यह एक ऐसी निर्देशित ध्यान पद्धति है जिसके जरिए लोग अपने देह और मन का एक इकाई की तरह उपयोग करना सीखते हैं और स्वास्थ्य को अनुभव कर पाते हैं। ओशो ने कहा है कि एक बार आप शरीर से संवाद करना शुरू करते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। क्योंकि शरीर पर जबर्दस्ती नहीं की जा सकती, उसे प्रेम से फुसलाया जा सकता है।

अवचेतन का संदेश सुनिए

टीवी और इलेक्ट्रानिक उपकरणों के कोहराम ने हमारी सुनने की नैसर्गिक क्षमताओं को कुंद कर दिया है और हम शरीर के मूक संदेशों को सुनना भूल ही गए हैं। यही कारण है कि अब देह आपका ध्यान खींचने के लिए और कठोर भाषा अपनाती है। आपको परेशान करने की कोशिश करती है। उसका संदेश बीमारियों के जरिए शरीर में नजर आने लगता है। जैसे सिरदर्द,बीच-बीच में टूटने वाली नींद,दुर्घटनाओं का आघात यानी ट्रॉमा,लाइलाज मर्ज,खासतौर से पीठ और पेट के रोग। सम्मोहन का नजरिया है कि कोई भी पीड़ा हो,वह एक संदेश है अवचेतन का। आपका अवचेतन आपसे कुछ कहना चाहता है,भागदौड़ छोड़कर जरा रूक जाएं और ध्यान दें। उसकी आवाज सुनें। उसे महसूस करें। यह ध्यान पद्धति सिखाती है कि देह की आवाज फिर कैसे सुननी शुरू की जाए और कैसे एक बार फिर पुरानी पीड़ाओं से छुटकारा पाया जाए।

शरीर से दोस्ती करें

बॉडी माइंड बैलेंसिंग को किसी भी असंतुलन को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भले ही वह वजन बढ़ने की समस्या हो,हाजमे की दिक्कतें हों (खासतौर से कब्ज की समस्या),तरह-तरह के दर्द हों,तनाव या बेचैनी हो। यहां तक कि इसके जरिए बुरी आदतों से छुटकारा पाया जा सकता है।

बच्चों को बोतल न दें

नन्हा शिशु रोता है,तो काम में व्यस्त मां उसके मुंह में शहद की निप्पल,टीथर या दूध की बोतल मुंह में लगा देती है। बहुत कम पेरेन्ट्स को पता है कि ये पैसीफायर,टीथर और निप्पल शिशु की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं,क्योंकि इनमें खतरनाक और विषैले तत्व पाए गए हैं जैसे- लैड, कैडमियम, क्रोमियम आदि।

हानिकारक हैं विषैले तत्त्व

सीईआरएस ने पैसीफायर्स,टीथर्स एवं निप्पल्स के नमूनों का परीक्षण किया। सभी में लैड,क्रोमियम और कैडमियम पाए गए। नवजात शिशुओं के खिलौनों में ?से विषैले तत्व की मौजूदगी स्वीकार्य नहीं,क्योंकि बच्चे इन्हें चूसते,चबाते रहते हैं और लार निगलते रहते हैं। ये पैसीफायर या टीथर शिशुओं के लिए बैक्टीरियल या फंगल इंफेक्शन का सबब बन सकते हैं। लैड की थोड़ी-सी मात्रा भी खतरनाक हो सकती है। कैडमियम एक नेफ्रोटॉक्सिन है,जो किडनी को क्षतिग्रस्त कर सकता है। इसके शरीर में जाने से पेट दर्द,जी मिचलाना और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। क्रोमियम इरीटेशन या दमा के दौर का सबब बन सकता है।

बदलें मापदंड

बीआईएस को भी अपने मापदंड बदलने चाहिए और विशेष रूप से नवजात शिशुओं के लिए बनाए गए खिलौनों जैसे टीथर,पैसीफायर एवं निप्पल्स के लिए अलग स्टैंडर्ड तय करने चाहिए।

क्या है समाधान

शिशु को एक बड़ा गाजर,खीरा या मूली उनकी ऊपरी सतह को साफ करके,साफ पानी से धोकर दे दिया जाए। शिशु को दूध पिलाने के लिए बोतल का इस्तेमाल न करना बेहतर होगा। ये आसानी से गंदे और बैक्टीरिया युक्त हो जाते हैं।

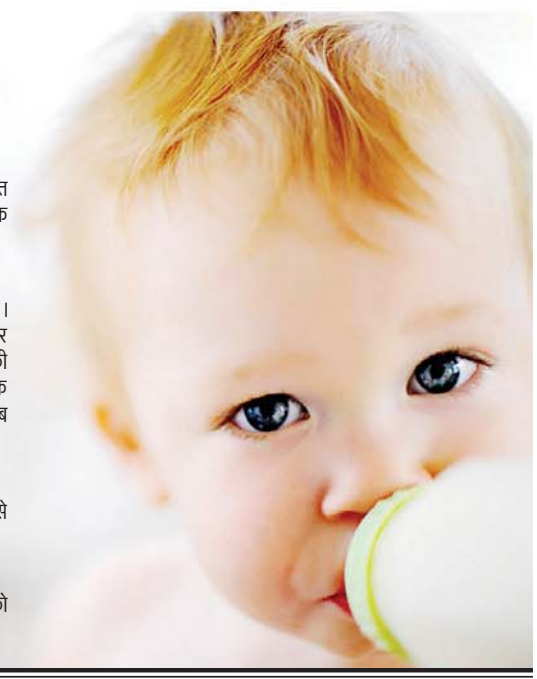

कोविड एक परीक्षा है और दुनिया इसमें विफल हो रही है : डब्ल्यूएचओ प्रमुख

टोक्यो। जापान में ओलंपिक 2021 के लिए विभिन्न देशों के खिलाड़ियों का जमावड़ा लगना शुरू हो चुका है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक ट्रेडोस एडनॉम घेब्रेयसस ने बुधवार को कहा कि और कोरोनावायरस महामारी एक ऐसी परीक्षा है, जिसमें दुनिया विफल हो रही है। घेब्रेयसस ने 138वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र में अपने मुख्य भाषण में कहा, महामारी अब तक नियंत्रण में हो सकती थी, अगर टीके जो महामारी की लपटों को बुझाने के लिए थे, अधिक समान रूप से आवंटित किए गए होते। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि टीकों के निर्माण और वितरण में विकृति ने गंभीर असमानताओं को उजागर किया है। घेब्रेयसस ने कहा, महामारी एक परीक्षा है और इसमें दुनिया विफल हो रही है। 40 लाख से अधिक लोग मारे गए हैं और अभी भी मौतें हो रही हैं। इस साल पहले से ही, मौतों की संख्या पिछले साल की कुल संख्या से दोगुनी से अधिक है। उन्होंने टीके, परीक्षण और उपचार साझा करने में वैश्विक विफलता पर भी नाराजगी व्यक्त की। अगर असमानता की बात की जाए तो महामारी के 19 महीनों के बाद भी और सबसे पहले टीकों को मंजूरी मिलने के सात महीने बाद भी, कम आय वाले देशों में केवल एक प्रतिशत लोगों को कम से कम एक खुराक मिली है, जबकि उच्च आय वाले देशों में आधे से अधिक लोगों को इसकी खुराक मिली है। लगभग 75 प्रतिशत टीके सिर्फ 10 देशों में लगाए गए हैं। कुछ सबसे अमीर देश अब अपनी आबादी के लिए तीसरे बूस्टर शॉट्स के बारे में बात कर रहे हैं, जबकि दुनिया के बाकी हिस्सों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, वृद्ध लोग और अन्य कमजोर समूहों को कोई टीका नहीं लग पाया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक नैतिक आक्रोश नहीं है, यह महामारी विज्ञान और आर्थिक रूप से आत्म-पराजय भी है। घेब्रेयसस ने कहा, यह विसंगति जितनी अधिक समय तक बनी रहेगी, महामारी उतनी ही लंबी खिंचेगी और इससे सामाजिक और आर्थिक उथल-पुथल का सामना भी करना पड़ेगा। मुझे ये टिप्पणी करने में जितना समय लगेगा, उतने में ही कोविड-19 से 100 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके होंगे। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने यह भी दोहराया कि खतरा टला नहीं है और दुनिया अब संक्रमण और मौतों की एक और लहर के शुरूआती चरण में है। प्रसारण में वृद्धि से और अधिक खतरनाक वैरिएंट सामने आएंगे, जिनसे संभावित रूप से टीकों से बचा जा सकता है।

ईवीएस पारंपरिक कारों की तुलना में बहुत अधिक ग्रीनर : वैश्विक रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत और अन्य देशों में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने पर तेजी के बीच बुधवार को एक नई रिपोर्ट आई, जिसके मुताबिक इस बहस को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है कि ईवीएस पारंपरिक आंतरिक दहन वाहनों से ज्यादा साफ नहीं हैं, यहां तक कि कारों के लिए भी। आज पंजीकृत बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) में अब तक का सबसे कम जीवन-चक्र जीएचजी (ग्रीनहाउस गैस) उत्सर्जन है। एक गैर-लाभकारी संस्था, इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आईसीसीटी) द्वारा जारी एक श्वेतपत्र से पता चला है कि आज पंजीकृत औसत मध्यम आकार के बीईवी के जीवनकाल में उत्सर्जन तुलनीय गैसोलीन कारों की तुलना में 66-69 प्रतिशत कम है। यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका में 60-68 प्रतिशत, चीन में 37-45 प्रतिशत और भारत में 19-34 प्रतिशत। यूरोप के लिए आईसीसीटी के प्रबंध निदेशक पीटर मॉक ने कहा, यहां तक कि भारत और चीन के लिए भी, जो अभी भी कोयले की बिजली पर बहुत अधिक निर्भर हैं, बीईवी के जीवन-चक्र लाभ आज भी मौजूद हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, जैसे-जैसे बिजली का मिश्रण डीकाबोर्नाइज करना जारी रखता है, बीईवी और गैसोलीन वाहनों के बीच जीवन-चक्र उत्सर्जन अंतर काफी हद तक बढ़ जाता है, जब मध्यम आकार की कारों को 2030 में पंजीकृत होने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, एसयूवी सहित यात्री कारों से जीवन-चक्र ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को देखा गया और एक तरफ बैटरी और ईंधन सेल इलेक्ट्रिक वाहनों और दूसरी ओर दहन वाहनों के जलवायु प्रभावों के बीच तेज और सावधानीपूर्वक भेद किया।

मार्क जुकरबर्ग फेसबुक के स्टॉक को हर दिन किया सेल

सैन फ्रांसिस्को।

फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग बहुत तेजी से अपना स्टॉक बेच रहे हैं। और 9 नवंबर, 2020 के बाद से, उन्होंने कारोबारी के लगभग हर दिन शेयर अनलोड किए हैं, जो 2.8 बिलियन डॉलर के 9.4 मिलियन शेयर हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, जुकरबर्ग, जो लगभग 127 बिलियन डॉलर मूल्य के साथ दुनिया के पांचवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं, ने अब फेसबुक में अपनी हिस्सेदारी लगभग 14 प्रतिशत कर ली है, जो कंपनी के आईपीओ के समय 28 प्रतिशत थी। मई 2012 में फेसबुक के सार्वजनिक होने के बाद से, फोर्ब्स ने अनुमान लगाया कि उसने लगभग 15 बिलियन डॉलर के 132 मिलियन से अधिक फेसबुक शेयर बेचे हैं। जुकरबर्ग ने 2016 में अपने फेसबुक स्टॉक को नियमित रूप से बेचना शुरू किया है। उन्होंने और उनकी पत्नी ने अपनी बेटी मैक्सिमा को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने अपने जीवन का 99 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा और बीमारियों के इलाज के लिए देने का वादा किया। 2018 तक, जुकरबर्ग और चैन ने सिलिकॉन वैली कम्युनिटी फाउंडेशन (रश्उत्रू) को लगभग 2 बिलियन डॉलर के फेसबुक शेयर दान किए थे। फेसबुक के शेयर नौ साल पहले सार्वजनिक होने की तुलना में 800 प्रतिशत से अधिक ऊपर हैं। जुकरबर्ग ही नहीं, अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने भी आईपीओ के बाद पहले नौ वर्षों में अपनी हिस्सेदारी 42 फीसदी से घटाकर 24 फीसदी कर दी है। जून में अमेजॉन के सीईओ के रूप में पद छोड़ने वाले बेजोस ने तलाक के दौरान अपनी पूर्व पत्नी मैकेंजी स्कॉट को कंपनी में अपनी हिस्सेदारी का एक चौथाई हिस्सा दिया। एमेजॉन में उनकी हिस्सेदारी अब सिर्फ 10 फीसदी है। रिपोर्ट के मुताबिक, जुकरबर्ग की अनुमानित कीमत का करीब 98 फीसदी अभी भी फेसबुक के स्टॉक में है। रिपोर्ट में कहा गया है, गूगल के संस्थापक लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने इतने ही समय में अपनी हिस्सेदारी 16 फीसदी से घटाकर 7 फीसदी कर ली है।

एअर इंडिया पर कोरोना का साया, अब तक 56 कर्मचारियों की मौत व 3000 से ज्यादा संक्रमित

नेशनल डेस्क। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री वीके सिंह ने को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 14 जुलाई तक एअर इंडिया के 56 कर्मचारियों की मौत हुई थी। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। सिंह ने बताया कि कोविड-19 से एअर इंडिया के 3,523 कर्मचारी संक्रमित हुए। 14 जुलाई, 2021 तक इनमें से 56 कर्मचारियों की मौत हो गई थी। मंत्री ने कहा कि कोविड प्रभावित कर्मचारियों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा करने के लिए एअर इंडिया की ओर से कई कदम उठाए गए हैं। वीके सिंह ने बताया कि कोविड के कारण मौत होने पर हर स्थायी कर्मचारी के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। कर्मचारियों को आइसोलेशन के लिए 17 दिनों की छुट्टी दी गई। इसके साथ ही कर्मचारियों और उनके परिवारों वैक्सीन फीस की भी प्रतिपूर्ति की जा रही है। मंत्री ने कहा कि कोविड-पॉजिटिव कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं।

यूपी में चावल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए परियोजना पर हस्ताक्षर

लखनऊ।

वैश्विक कृषि कंपनी कोर्टेवा एग्रोसाइंस और विश्व बैंक समूह द्वारा होस्ट किए गए 2030 जल संसाधन समूह (2030 डब्ल्यूआरजी) ने उत्तर प्रदेश में स्थायी चावल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक परियोजना पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना की कल्पना चावल की खेती की प्रत्यक्ष बीज वाली चावल (डीएसआर) तकनीक पर किसानों की क्षमता का निर्माण करने के लिए की गई है जिससे किसानों के लिए स्थायी आजीविका सक्षम हो सके। उत्तर प्रदेश में चावल उत्पादन के लिए परिदृश्य स्तर की स्थिरता को बढ़ाना नामक यह परियोजना 40,000 एकड़ भूमि को चावल की रोपाई के पारंपरिक तरीकों से डीएसआर तकनीक में बदलने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करती है। यह तीन वर्षीय परियोजना कृषि में स्थायी आजीविका को बढ़ावा देगी। यह विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, क्षेत्र प्रदर्शन सत्रों, बाजार लिंकेज, बाजार आधारित स्थिरता वित्तपोषण और कृषि विज्ञान सहायता के माध्यम से चावल की खेती की डीएसआर तकनीक पर किसानों की क्षमता का निर्माण करेगी। परियोजना के माध्यम से, कोर्टेवा किसानों को संकर बीज और मशीनीकृत बुवाई सेवाओं के साथ-साथ मिट्टी परीक्षण और खेतों पर खरपतवारों और कीटों के प्रबंधन में मदद करेगा। इन प्रथाओं को लागू करने से चावल की खेती में पानी के उपयोग में 35-37 प्रतिशत की कमी, बेहतर मिट्टी के स्वास्थ्य और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी (20-30 प्रतिशत तक) हो सकती है, जिससे राज्य में जलवायु लचीला सटीक कृषि-वानिकी का समर्थन हो सकता है। कोर्टेवा एग्रीसाइंस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी के कार्यकारी उपाध्यक्ष टिम ग्लेन ने बयान में कहा, यह परियोजना समग्र कृषि संबंधी हस्तक्षेपों को लागू करती है जो किसानों को डीएसआर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

आईबीएम बेंगलुरु हवाई अड्डे के संचालन का डिजिटलीकरण करेगा

बेंगलुरु।

बुधवार को इसके ऑपरेटर ने कहा कि वैश्विक सॉफ्टवेयर प्रमुख आईबीएम उड़ान भरने वालों के अनुभव को बदलने के लिए बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन को डिजिटल करेगा। बैंगलोर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल), एक सार्वजनिक-निजी संघ, जो देश का तीसरा सबसे बड़े हवाई अड्डे का संचालन करता है, ने एक बयान में कहा कि हमने केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे के संचालन के लिए अपने आईटी नेटवर्क को डिजिटाइज करने के लिए आईबीएम की वैश्विक व्यापार सेवा शाखा के साथ 10 साल की साझेदारी में प्रवेश किया है। रेड हैट ऑटोमेशन और आईबीएम के प्रबंधित इन्फ्रास्ट्रक्च र सर्विसेज बिजनेस की एक इकाई, किंड्रील, यात्रियों के यात्रा अनुभव को बदलने के लिए बॉक्स प्लेटफॉर्म में एक हवाई अड्डा बनाने के लिए यूएस-आधारित आईटी दिग्गज के साथ साझेदारी करेगी। ऑपरेटर ने कहा कि सबसे तेजी से बढ़ते हवाई अड्डों में से एक के रूप में, हमें परिचालन लचीलेपन के साथ, भविष्य में यात्री यातायात में वृद्धि को संभालने के लिए एक फुतीर्ली, स्केलेबल और लागत-प्रतिस्पर्धी तकनीक की आवश्यकता है। नए प्लेटफॉर्म से ऑपरेटर की कर्मचारी उत्पादकता में सुधार, इसकी आईटी परिसंपत्तियों का बेहतर उपयोग, इन्वेंट्री नियंत्रण और बेहतर घटना प्रबंधन के माध्यम से लागत कम होने की उम्मीद है। बीआईएएल ने बयान में कहा कि आईबीएम प्लेटफॉर्म ऑपरेटर के व्यवसाय के विकास का समर्थन करेगा और आईबीएम मैक्सिमो

एंटरप्राइज एसेट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी से एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) से संचालित अंतर्दृष्टि उत्पन्न करेगा, ताकि इन्वेंट्री प्रबंधन और स्वामित्व की लागत का अनुकूलन किया जा सके। जब प्लेटफॉर्म चालू हो जाता है और फ्लायर के यात्रा अनुभव को बढ़ाता है, तो जुड़वां साझेदार वैश्विक यात्रा और परिवहन उद्योग के परिवर्तन के लिए प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ाने की योजना बनाते हैं। इस अवसर पर बीआईएएल के मुख्य कार्यकारी हरि मरार ने कहा कि आईबीएम के साथ साझेदारी हवाई अड्डे को स्मार्ट, डिजीटल, कनेक्टेड और सहज बनाने के हमारे दृष्टिकोण का हिस्सा है। आईबीएम दुनिया भर में लगभग 150 हवाई अड्डों के साथ काम करता है और हवाई अड्डों, एयरलाइंस और विमानन उद्योग को नया करने और बदलने में मदद करने का इतिहास है। आईबीएम सेवाओं के उपाध्यक्ष मार्क फोस्टर ने बयान में कहा कि परियोजना उन्नत प्रौद्योगिकियों और सेवाओं को वितरित करने की हमारी क्षमता का लाभ उठाती है जो हवाईअड्डा ऑपरेटरों को अपने व्यवसाय को बदलने में सक्षम बनाती है।

साल की दूसरी तिमाही में 50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा भारत का ऑनलाइन स्मार्टफोन बाजार

नई दिल्ली।

कोविड के कारण दुनियाभर की अर्थव्यवस्था पर कभी प्रभाव पड़ा है। दूसरी ओर, भारतीय ऑनलाइन स्मार्टफोन बाजार अप्रैल-जून तिमाही में 50 प्रतिशत को पार करने की संभावना है। 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट पहली तिमाही 2021 में 7 प्रतिशत से दूसरी तिमाही में 15 प्रतिशत तक है, क्योंकि लगभग हर स्मार्टफोन कंपनी 5जी-रेडी कम कीमत वाली डिवाइस को लॉन्च करने के लिए दोगुना कम कर रही है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, अप्रैल और मई दोनों महीनें में उम्मीद से बेहतर स्मार्टफोन कंपनियों में उछाल थी, क्योंकि हमने पहले ही उल्लेख किया है कि स्मार्टफोन बाजार लचीला रहता है। हमने जून में फोन बाजारों में कफी मजबूती देखी है। हालाँकि, आपूर्ति श्रृंखला की कमी का भी दबाव था जिसका वैश्विक बाजार सामना कर रहा है, और भारत भी इससे अछूता नहीं था। इसके कारण, दूसरी तिमाही में स्मार्टफोन बाजार पिछले साल के मुकबले तिमाही से 14-18 प्रतिशत नीचे हो सकता है, जैसा कि आंकड़ों से पता चलता है। काउंटरपॉइंट ने कहा, कुल मिलाकर, हमारा मानना है कि बाजार पिछले साल की तरह साल-दर-साल विकास का प्रदर्शन करेगा। दूसरी तिमाही में विकास दर आधा हो चुका था। स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने इस महीने की शुरूआत में घोषणा की थी कि, उसका लक्ष्य चिपसेट निमार्ताओं और अन्य उद्योग भागीदारों के समर्थन से अगले साल भारतीय यूजर्स के लिए 10,000 रुपये से कम के सेगमेंट में 5जी स्मार्टफोन लाना है। रियलमी इंडिया और यूरोप के वाइस प्रेसिडेंट, रियलमी और सीईओ माधव शेठ ने कहा, रियलमी का लक्ष्य 5 जी लीडर बनना है और यह मानता है कि 2021 के बाद से प्रत्येक भारतीय 5जी फोन का हकदार है। हम भारत और विश्व स्तर पर 5जी के लोकतंत्रीकरण का नेतृत्व कर रहे हैं, और अपने 5जी स्मार्टफोन के माध्यम से हम लगातार अधिक छलांग-आगे आश्चर्य और बाजार में सर्वश्रेष्ठ लाएंगे। काउंटरपॉइंट रिसर्च ने वर्चुअल 5जी इवेंट के दौरान खुलासा किया कि, भारत में मई में बिकने वाले लगभग 14 प्रतिशत स्मार्टफोन 5जी डिवाइस थे। काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने इवेंट के दौरान कहा था कि,ऐसे कई बाजार और तकनीकी कारक हैं जो 4जी से 5जी वर्जन को सभी डिवाइसों में तेजी ला देगी। डाउनलोड गति में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन को बढ़ावा देने और इमेजिंग, प्रोसेसर और बैटरी लाइफ में स्टेप-चेंज फीचर सेट में सुधार की उम्मीद है।

एचयूएल का शुद्ध मुनाफा 10.7 प्रतिशत बढ़कर 2,100 करोड़ रुपये, शुद्ध बिक्री 13 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली, एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने गुरुवार को कहा कि जून 2021 को समाप्त हुई चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका संचयी शुद्ध लाभ 10.7 प्रतिशत बढ़कर 2,100 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि कोविड-19 महामारी के कारण चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बिक्री में बढ़ोतरी के चलते हासिल हुई। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 1,897 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एचयूएल ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी शुद्ध बिक्री 13.21 प्रतिशत बढ़कर 11,966 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 10,570 करोड़ रुपये थी। कंपनी के मुताबिक कोविड महामारी की दूसरी लहर के चलते चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच एचयूएल ने जोरदार प्रदर्शन किया और घरेलू उपभोक्ता वृद्धि 12 प्रतिशत और कर पश्चात मुनाफा 10 प्रतिशत बढ़ा। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में उसका कुल खर्च 9,546 करोड़ रुपये था। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 8,324 करोड़ रुपये था। एचयूएल के सीएमडी संजीव मेहता ने कहा, ''चुनौतीपूर्ण माहौल में हमने शुद्ध लाभ और शुद्ध आय में मजबूत प्रदर्शन किया है।

आरआईएल बोर्ड में आधिकारिक तौर पर शामिल हुए अरामको चेयरमैन

मुंबई।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने गुरुवार को कहा कि कंपनी के स्वतंत्र निदेशक के रूप में अरामको के चेयरमैन यासिर अल रुमायन की नियुक्ति 19 जुलाई से प्रभावी हो गई है। 24 जून को, आरआईएल बोर्ड ने कंपनी के एक अतिरिक्त निदेशक के रूप में यासिर ओ. अल-रुमायन की नियुक्ति को मंजूरी दी थी, जिन्हें एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में नामित किया गया था। इसके अतिरिक्त, उसी दिन, कंपनी ने सूचित किया था कि कंपनी के एक स्वतंत्र निदेशक वाई. पी. त्रिवेदी ने स्वास्थ्य कारणों से 24 जून 2021 को आयोजित 44 वीं वार्षिक आम बैठक (पोस्ट आईपीओ) के समापन से प्रभावी कंपनी के निदेशक के रूप में अपना कार्यालय छोड़ दिया है। त्रिवेदी 1992 में कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल हुए। यासिर ओ. अल-रुमायन 2015 से सऊदी अरब के सार्वजनिक निवेश कोष के गवर्नर हैं, जो सॉवरेन वेल्थ फंड के संचालन के सभी क्षेत्रों का नेतृत्व करते हैं। बता दें कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 44वीं वार्षिक आम बैठक में 24 जून को मुकेश अंबानी ने दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरामको की डील से जुड़ा एक बड़ा ऐलान किया था। मुकेश अंबानी ने सऊदी अरामको के चेयरमैन और सऊदी अरब के पब्लिक वेल्थ फंड के गवर्नर यासिर अल-रुमायन को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड में शामिल करने की घोषणा की थी। तब आरआईएल की 44वीं एजीएम को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा था कि पिछली वार्षिक आम बैठक के बाद से हमारी व्यापार और वित्तीय सफलता अपेक्षाओं से अधिक रही है, लेकिन इस कठिन समय के दौरान आरआईएल के मानवीय प्रयासों ने हमें हमारे व्यावसायिक प्रदर्शन से ज्यादा खुशी दी है।

ब्लैकबक ने 67 मिलियन डॉलर जुटाए, भारत से यूनिकॉर्न क्लब में किया प्रवेश

BLACKBUCK

बेंगलुरू।

ऑनलाइन ट्रकिंग प्लेटफॉर्म ब्लैकबक ने घोषणा की है कि उसने ट्राइब कैपिटल, आईएफसी इमर्जिंग एशिया फंड और वीईएफ के नेतृत्व में 67 मिलियन डॉलर के इक्विटी वित्तपोषण को बंद कर दिया है। इसका मूल्यांकन 1 बिलियन डॉलर हो गया है, इसके साथ ही यह देश का एक और यूनिकॉर्न बन गया है। ब्लैकबक के पास अपने प्लेटफॉर्म पर 700,000 से अधिक ट्रक और 1.2 मिलियन से अधिक ट्रक हैं। सालना लेनदेन में 15 मिलियन से अधिक और वर्तमान में सभी ऑनलाइन ट्रकिंग गतिविधियों के 90 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी चला रहे हैं। ब्लैकबक के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश याबाजी ने कहा, ब्लैकबक ने ट्रकिंग की फिर से कल्पना करने के सपने के साथ शुरूआत की, इसे 10एक्स सरल और 10एक्स कुशल बनाने के लिए। छह साल हो गए हैं और हम अभी शुरूआत कर रहे हैं। मौजूदा निवेशकों वेलिंगटन मैनेजमेंट, सैंड्स कैपिटल और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन ने भी दौर में भाग लिया। कंपनी के पास एसएमई और हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस, कोका कोला, एशियन पेंट्स, टाटा, वेदांत, एलएंडटी और जिंदल जैसे बड़े कॉरपोरेट सहित 10,000 से अधिक ग्राहक हैं। ट्राइब के सह-संस्थापक और पार्टनर अर्जुन सेठी ने कहा, भारत की आपूर्ति श्रृंखला और रसद उद्योग कागज और पेंसिल से डिजिटल की ओर बढ़ रहा है। उत्पादन और उत्पादकता वृद्धि को मापने की ब्लैकबक की क्षमता ने उद्योग के लिए कम समय-सीमा में लॉजिस्टिक चुनौतियों को सुव्यवस्थित किया है। कंपनी इन फंडों का उपयोग बाजार में और आगे बढ़ने और अपने ग्राहकों के लिए नई सेवा पेशकशों को लॉन्च करने के लिए करेगी।

टेस्ला फिर से बिटकॉइन के जरिए पेमेंट स्वीकार करेगी : सीईओ एलोन मस्क

सैन फ्रांसिस्को।

टेस्ला के सीईओ एलोन मस्क ने बताया है कि कंपनी क्रिप्टोकरंसी को बढ़ा करने के लिए उपयोग किए जाने वाले ऊर्जा मिश्रण में सुधार पर कुछ उचित परिश्रम के बाद बिटकॉइन के जरिए पेमेंट स्वीकार करेगी। इलेक्ट्रेक की रिपोर्ट के मुताबिक,बी वर्ड सम्मेलन के दौरान, मस्क ने बुधवार को कहा कि, पहले से ही सुधार हुए हैं और टेस्ला पुष्टि करने के लिए और अधिक परिश्रम करेगा। लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ऑटोमेकर क्रिप्टो से भुगतान लेना फिर से शुरू कर देगा। मस्क ने कहा, मैं यह पुष्टि करने के लिए थोड़ा और परिश्रम चाहता था कि अक्षय ऊर्जा उपयोग का प्रतिशत 50 प्रतिशत या उससे अधिक होने की संभावना है, और उस संख्या को बढ़ाने की प्रवृत्ति है। यदि ऐसा है तो टेस्ला बिटकॉइन को स्वीकार करना फिर से शुरू कर देगा। टेस्ला के सीईओ ने यह भी पुष्टि की कि टेस्ला के निवेश के शीर्ष पर बिटकॉइन में उनका एक महत्वपूर्ण व्यक्तिगत निवेश है और उनके पास छोटे एथेरियम और डॉगकोइन होल्डिंग्स हैं। पिछले एक साल में, टेस्ला विभिन्न स्तरों पर क्रिप्टोक्यूरेंसी की दुनिया में गहराई से प्रवेश कर रहा है। इस साल की शुरूआत में टेस्ला ने बिटकॉइन में 1.5 अरब डॉलर का निवेश किया था। कुछ ही समय बाद, ऑटोमेकर ने नए वाहनों पर भुगतान के रूप में क्रिप्टोकरेंसी को स्वीकार करना शुरू कर दिया। बाद में, सीईओ मस्क ने टेस्ला की क्षमता के बारे में भी बात की, जो डॉगकोइन को अपने वाहनों के भुगतान के रूप में स्वीकार करना शुरू कर देता है। हालांकि, कुछ दिनों बाद, टेस्ला ने बिटकॉइन भुगतान विकल्प को हटाकर क्रिप्टो के साथ एक कदम पीछे ले लिया। कंपनी ने बिटकॉइन नेटवर्क की ऊर्जा जरूरतों पर चिंता व्यक्त की है। यह एक चिंता का विषय है कि, टेस्ला समुदाय के कई सदस्यों ने साझा किया जब टेस्ला ने पहली बार अपने बिटकॉइन निवेश की घोषणा की और कई इस तथ्य से नाराज थे कि कंपनी ने इसके बारे में पहले स्थान पर नहीं सोचा। उस समय, टेस्ला ने नोट किया कि वे बिटकॉइन में अपनी हिस्सेदारी नहीं बेच रहे थे । नेटवर्क द्वारा अक्षय ऊर्जा का एक उच्च मिश्रण दिखाने के बाद उन्होंने बिटकॉइन भुगतान फिर से शुरू करने की योजना बनाई।

पारले एग्रो स्मूद के साथ भारतीय डेयरी का स्वयरूप बदलने के लिए तैयार

नेशनल । भारत की मल्टी-कैटेगरी, मल्टी-ब्रांड बेवरेज कंपनी पारले एग्रो ने डेयरी कैटेगरी में प्रवेश करने की घोषणा की है। पारले एग्रो का तीन दशक से अधिक समय से आइकॉनिक भारतीय बेवरेजेज के साथ देश में फल-आधारित ड्रिंक कैटेगरी पर दबदबा रहा है। इस क़दम के पीछे आधुनिक एवं अभिनव तकनीकों में बरसों के समर्पित गहन शोध एवं व्यापक निवेश का समर्थन रहा है। ताकि मजबूत डेयरी इंफ़्रास्ट्रक्चर के निर्माण किया जा सके और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए नए उत्पादों को पेश किए जा सकें। इस लॉन्चे के साथ, पारले एग्रो इनोवेशंस और नए उपभोक्ता अनुभवों के साथ भारत के डेयरी यूनिवर्स को गतिशील रूप से बदलने के लिए तैयार है, जो पहले इस श्रेणी में मौजूद नहीं थे।

पारले एग्रो ने फ्लेइवर्ड मिल्कन प्रोडक्ट्स ङ्क स्मूद की उच्चस गुणवत्ताप की प्रीमियम रेंज के साथ डेयरी सेगमेंट में कदम रखा है। कंपनी की फिलॉसफी में हलचल मचाने वाला स्मूद वैश्विक स्तूर पर बाजार में एकमात्र फ्लेवर्ड मिल्क बेवरेज बन गया है, जो 85 एमएल के टेट्रा पैक कार्टन्सस में उपलब्ध है और इसकी कीमत केवल 10 रुपये है। इस पेशकश के साथ, पारले एग्रो ने भारत में ब्रांडेड फ्लेंवर्ड मिल्कउ बाजार को अगले चार सालों में 800 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्यस तय किया है।

स्मूद एक सिल्कीय, पौष्टिक और स्वादिष्ट फ्लेकवर्ड मिल्क बेवरेज है जो दो सबसे लोकप्रिय उपभोक्ता विकल्पों, चॉकलेट मिल्क और टॉफ़ी कैरामेल में उपलब्ध है। बेहतरीन गुणवत्ता वाली सामग्रियों और दूध की अच्छाइयों को मिलाकर बनाया गया यह ड्रिंक निश्चित रूप से सभी आयु वर्ग के उपभोक्ताओं की पसंद बन जाएगा। स्मूद के लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, पारले एग्रो की जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और सीएमओ, नादिया चौहान ने कहा, "इस अविश्वपसनीय उत्पा द को विकसित करने में आरएंडडी के कई वर्षों की मेहनत शामिल है। और पारले एग्रो के सभी उत्पादों की तरह, मैं अपने उपभोक्ताओं के अनुभव के लिए इसे बाजार में लॉन्च करके बेहद खुश हूं। हम भारत की प्रमुख बेवरेज कंपनियों में से एक हैं जो हमेशा इनोवेशन द्वारा प्रवर्तित रही है, ऐसे में हम भारतीय ग्राहकों के लिए बेहतरीन मूल्यय पर उच्चै गुणवत्ताश वाले एवं स्वाइद से भरपूर उत्पा द लाने के लिए प्रयासरत रहते हैं। स्मूद हमारे इस विजन के अनुरूप है।"

बेहतर संवाद से मजबूत रक्षण में भी सेंध लगा सकते हैं : हाकी स्ट्राइकर मंदीप

टोक्यो । भारतीय हॉकी टीम के स्ट्राइकर मंदीप सिंह ने कहा कि उनकी टीम में शुक्रवार से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक खेलों में किसी भी प्रतिद्वंद्वी के रक्षण में सेंध लगाने में सक्षम है। मंदीप ने 2013 में सीनियर टीम की तरफ से पदार्पण किया था और वह भारतीय टीम के सबसे अनुभवी स्ट्राइकर हैं। जालंधर के रहने वाले इस 26 वर्षीय फारवर्ड ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मुझ पर किसी तरह का अतिरिक्त दबाव है क्योंकि बाकी खिलाडियों से मुझे अच्छा सहयोग मिलता है। हमारे बीच मैदान अच्छा संवाद बना रहता है और किसी अच्छे दिन पर हम सबसे मजबूत रक्षापंक्ति में भी सेंध लगा सकते हैं। मंदीप देश की तरफ से 150 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं लेकिन वह पहली बार ओलंपिक में खेलेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम पिछले डेढ़ साल से बेंगलुरू के साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में जैव सुरक्षित वातावरण में अभ्यास कर रही है और ओलंपिक में भाग ले रही अन्य टीमों से बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हम कोविड प्रोटोकॉल से अच्छी तरह से अवगत हैं। यहां हमारा हर सुबह परीक्षण होता है। यह बेहद आसान प्रक्रिया है और शाम तक परिणाम भी आ जाता है। मंदीप ने कहा कि अब तक बहुत अच्छा रहा है। हवाई अड्डे पर परीक्षण और अन्य औपचारिकताओं के कारण समय लगा लेकिन जब से हम खेल गांव में पहुंचे हैं सब कुछ बहुत अच्छा है।

ओलंपिक : उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेगा 28 सदस्यीय भारतीय दल

टोक्यो।

टोक्यो ओलंपिक उद्घाटन समारोह में अधिक से अधिक 22 खिलाड़ी और 6 अधिकारी हिस्सा लेंगे। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरेंद्र ध्रुव बत्रा ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आयोजकों द्वारा कोविड-19 महामारी को देखते हुए सभी देशों से उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या में कमी के लिए कहा गया है। इसी के बाद भारतीय दल ने अपनी संख्या का खुलासा किया। बत्रा के मुताबिक 23 जुलाई को होने वाले उद्घाटन समारोह में हॉकी से 1, मुक्केबाजी से 8, टेबल टेनिस से 4, रोविंग से 2, जिमनास्टिक से 1, तैराकी से 1, नौकायन से 4, तलवारबाजी से 1 खिलाड़ी होगा जबकि 6 अधिकारियों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। वैसे तो हाकी खिलाड़ी उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे लेकिन चूंकी पुरुष टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ध्वजवाहक हैं, लिहाजा वह इसमें हिस्सा लेंगे। महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकोम भी ध्वजवाहक हैं और वह भी इस समारोह में हिस्सा लेंगी। उद्घाटन समारोह में तीरंदाजी, जूडो, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, टेनिस, हाकी (महिला एवं पुरुष) तथा शूटिंग से जुड़े खिलाड़ी शामिल नहीं होंगे। आईओए के मुताबिक चूंकी इन खेलों से जुड़े खिलाड़ियों के मैच 23 को या 24 को हैं और इसके लिए उन्हें तैयारी करनी होगी, लिहाजा इन्हें उद्घाटन समारोह से अलग रखा गया। उद्घाटन समारोह का मार्च पास्ट जापानी वर्णमाला के अनुसार होगा और इस लिहाज से भारत का नम्बर 21वां होगा। टोक्यो ओलंपिक का उद्घाटन समारोह शुक्रवार को ओलंपिक स्टेडियम में होगा। स्टेडियम, जो प्रमुख ट्रैक और फील्ड कार्यक्रमों के साथ-साथ महिला फुटबॉल में स्वर्ण पदक मैच की मेजबानी करेगा, 8 अगस्त को समापन समारोह की भी मेजबानी करने वाला है। अन्य दल भी सीमित संख्या में एथलीटों को उद्घाटन समारोह में भेज रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 50 और ब्रिटेन ने दल को 30 तक सीमित रखा है।

ओलंपिक

टोक्यो में बड़ी उम्मीदों के साथ उतरेगा भारत

मुंबई।

टोक्यो ओलंपिक के शुरू होने में 24 घंटे से भी कम का समय शेष रह गया है और 127 सदस्यीय भारतीय दल यहां बड़ी उम्मीदों के साथ उतरेगा और उसकी नजरें अपने ओलंपिक इतिहास का सर्वश्रेष्ठ मेडल लाने पर होगी। ओलंपिक का आयोजन ऐसे समय हो रहा है जब पूरी दुनिया में कोरोना का कहर बरप रहा है। इस महामारी से ओलंपिक खेल गांव भी अछूता नहीं है और यहां कोरोना के मामले सामने आए हैं। मेजबान देश जापान में लोग महामारी के समय और दर्शकों के बिना ओलंपिक के आयोजन को लेकर गुस्से में है लेकिन अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) और जापान सरकार इस तथ्य को जानते हुए भी इन खेलों का आयोजन करा रहा है। हालांकि, एथलीटों ने इस दिन के लिए पांच साल का इंतजार और मेहनत की है और इनकी निगाहें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपने-अपने देश के लिए पदक लाने पर होगी। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में रिकॉर्ड संख्या में एथलीटों को भेजा है जिसके कारण इस बार एथलीटों से काफी उम्मीदें भी हैं। भारत का ओलंपिक में इतिहास कुछ खास नहीं रहा है और उसने पिछले 100 वर्षों से अधिक समय में नौ स्वर्ण, सात रजत और 12 कांस्य पदक सहित 28 पदक ही जीते हैं। भारत ने हॉकी में 1928 से 1980 (1976 को छोड़कर) लगातार पदक जीते हैं। भारत ने हॉकी में आठ स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीता है। हॉकी के अलावा 2008 बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने भारत को 10 मीटर एयर राइफल में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया था। भारत ने 2012 लंदन ओलंपिक में पदक के आधार पर अपना बेस्ट प्रदर्शन किया था। भारत की ओर से शूटर विजय कुमार और सुशील कुमार के द्वारा दो रजत, मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम (महिला फ्लाईवेट), बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल (महिला एकल), पहलवान योगेश्वर दत्त (पुरुष फ्रीस्टाइल 60 किग्रा) और निशानेबाज गगन नारंग (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल) के जरिए चार कांस्य पदक जीते थे। हालांकि, 2016 रियो ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और उसने सिर्फ दो पदक ही जीते थे। भारत की ओर से पीवी सिंधु ने बैडमिंटन में रजत और पहलवान साक्षी मलिक (महिला फ्रीस्टाइल 58 किग्रा) में कांस्य पदक जीता था।

ओलंपिक : उस्ताह की कमी के बीच शुरू होगा टोक्यो ओलंपिक

टोक्यो। खेलों के महाकुंभ कहे जाने वाले ओलंपिक का आयोजन उत्साह की कमी के बीच जापान की राजधानी टोक्यो में शुक्रवार से होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जापान के स्थानीय नागरिकों में कोरोना महामारी के बीच ओलंपिक कराने को लेकर अलग-अलग राय है।द गार्जियन न्यूजपेपर में छपी रिपोर्ट में कहा, टोक्यो के स्थानीय नागरिकों में इसके आयोजन को लेकर भिन्न राय है। सिर्फ टोक्यो ही नहीं जापान में कई लोगों की ऐसी ही राय है। करीब 80 फीसदी जनता कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच ओलंपिक कराने और इवेंट के दौरान दर्शकों को दूर रखने के खिलाफ हैं। जापान की सड़कों पर उत्साह नहीं है। ओलंपिक के लिए टोक्यो आ रहे लोगों को विभिन्न चेकप्वाइंट से गुजरना पड़ रहा है। हर चेकप्वाइंट पर पेपरवर्क की जांच हो रही है और सवाल पूछे जा रहे हैं। पत्रकार और अधिकारी अगले 15 दिनों के लिए अपने होटल, स्थानों और मुख्य प्रेस केंद्र तक ही सीमित रहेंगे। रिपोर्ट में कहा, टोक्यो में उत्साह का वातावरण स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है। स्थानीय अखबारों ने भी हाल ही में ओलंपिक की मेजबानी को लेकर सवाल उठाए थे।

हां, मेरे पास गोल्डन स्लैम जीतने का मौका : नोवाक जोकोविच

टोक्यो ।

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को पता है कि उनके पास 'गोल्डन स्लैम' पूरा करने वाला पहला खिलाड़ी बनने का मौका है लेकिन विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज इस खिलाड़ी का ध्यान एक बार में एक ही मुकाबले पर है। गोल्डन स्लैम का मतलब एक ही वर्ष में चारों ग्रैंडस्लैम और ओलंपिक एकल स्वर्ण जीतना होता है। जोकोविच वह इस साल ऑस्ट्रेलिया ओपन, फ्रेंच ओपन और विम्बलडन जीत चुके हैं जबकि यूएस ओपन का आयोजन होना बाकी है। जोकोविच अगर यह उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे तो वह रोजर फेडरर और राफेल नडाल जैसे सर्वकालिक दिग्गजों को पीछे छोड़ सकते हैं। जोकोविच ने यहां कहा कि मैं किसी बहस (महान खिलाड़ी बनने के मामले में) में नहीं पडऩा चाहता हूं। मैं नहीं चाहता हूं कि किसी से मेरी तुलना की जाए। इस संभावित ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए अभी बहुत लंबा सफर तय करना बाकी है।उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि अभी बहुत सारे मुकाबले हैं। मुझे पता है कि इतिहास रचने का मौका है। इससे मुझे अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। मैंने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। मैं हालांकि चाहता हूं कि आप इतिहास के बारे में तभी बात करे जब सब कुछ ठीक से हो। उन्होंने कहा कि अभी मेरा ध्यान सिर्फ अगली चुनौती पर है। टेनिस इतिहास में गोल्डन स्लैम पूरा करने में सिर्फ स्टेफी ग्राफ (1988) सफल रहीं है। जोकोविच ने कहा कि मैं स्टेफी के संपर्क में नहीं हूं, लेकिन अगर आप उससे बात करवा सकते हैं, तो मुझे यह पूछने में खुशी होगी कि उसने यह कैसे किया।जोकोविच ने कहा कि उन्होंने स्टेफी के पति आंद्रे अगासी के साथ

कुछ समय के लिए काम किया था। उन्होंने कहा कि जब मैं उसके (गोल्डन स्लैम) बारे में सोचता था तो मुझे लगता था कि यह असंभव जैसा है। लेकिन मेरे पास इसे करने का एक मौका है। बेशक यह मेरे लक्ष्यों और सपनों में से एक है। जोकोविच टोक्यो में अपने अभियान की शुरुआत 139वीं रैंकिंग वाले बोलिविया के हुजो डेलियेन के खिलाफ करेंगे। पुरुष वर्ग में रोजर फेडरर, राफेल नडाल, डोमिनिक थीम, माटेओ बेरेतिनी और डेनिस शापोवालोव नहीं खेल रहे हैं जिससे जोकोविच की राह थोड़ी आसान हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

तीसरे एथलीट के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद चेक ओलंपिक समिति ने जांच शुरू की

टोक्यो। चेक ओलंपिक समिति ने तीसरे एथलीट के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद जांच शुरू कर दी है। चेक गणराज्य की बीच वालीबॉल खिलाड़ी मरकेटा नाउच स्लूकोवा कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। वह चेक गणराज्य के दल की पांचवीं सदस्य और तीसरी एथलीट हैं जो इस वायरस की चपेट में आई है। रिपोर्ट के अनुसार, चेक ओलंपिक समिति ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या इन लोगों ने अपनी जिम्मेदारी को नजरअंदाज किया, जिसके कारण ये लोग इस वायरस की चपेट में आए। रिपोर्ट में कहा, समिति के अध्यक्ष जिरी केजवाल ने कहा कि जांच इस बात पर ध्यान केंद्रित रहेगी कि क्या चार्टर उड़ान से पहले, इसके दौरान और बाद में कोरोना के प्रसार के खिलाफ सुरक्षा उपायों का पालन किया गया था और क्या कुछ व्यक्तियों ने यात्रा के दौरान अपने कर्तव्यों की उपेक्षा की थी। चेक गणराज्य के पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ी पावेल सिरुकेक और पुरुष बीच वालीबॉल के खिलाड़ी ओंद्रेज पेरुसिक भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे।

धीमी ओवर गति के कारण श्रीलंका पर लगा जुर्माना

दुबई। आईसीसी ने मंगलवार को कोलंबो में भारत के खिलाफ हुए दूसरे वनडे मैच में धीमे ओवर-रेट के लिए श्रीलंका पर जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने कहा है कि श्रीलंकाई टीम की मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा और आईसीसी विश्व कप सुपर लीग में उसके खाते में से एक अंक से हटा दिया गया है। आईसीसी मैच रेफरी रंजन मदुगले ने यह प्रतिबंध तब लगाया जब दासुन शनाका की अगुवाई वाली घरेलू टीम को निर्धारित समय में एक ओवर पीछे पाया गया। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना और लिंडन हैनिबल, तीसरे अंपायर रुचिरा पल्लियागुरुगे और चौथे अंपायर प्रगीत रामबुकवेला ने आरोप लगाय था। शनाका, जो एक समय अपनी अपेक्षाकृत अनुभवहीन टीम को उस मैच में भारत के खिलाफ एक बड़े उलटफेर की ओर ले जाने को थे, ने ओवर-रेट अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने संबंधी प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार कर लिया। आईसीसी ने आगे कहा कि शनाका ने अपराध के लिए दोषी ठहराया और प्रस्तावित मंजूरी को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। भारत ने दूसरा वनडे 3 विकेट से जीता था। अब भारत ने तीन मैचों की इस सीरीज में 2-0 की लीड ले ली है। तीसरा और अंतिम मुकाबला शुक्रवार को कोलंबो में ही खेला जाएगा।

फीडे शतरंज ओलंपियाड की घोषणा - फिर ऑनलाइन होगा शतरंज का महाकुंभ

मास्को , रूस (निकलेश जैन)

वैसे तो इस समय रूस मे फीडे विश्व कप शतरंज के ऑन द बोर्ड मुकाबले सफलता पूर्वक खेले जा रहे है और विश्व शतरंज संघ कोरोना के बचाव के साथ अब तक इसे शानदार ढंग से संचालित कर रहा है , पर शतरंज का सबसे बड़ा टीम टूर्नामेंट शतरंज ओलंपियाड एक बार फिर ऑनलाइन चेस डॉट कॉम सर्वर पर खेला जाएगा खेला जाएगा । पिछले वर्ष भारत और रूस दोनों शतरंज ओलंपियाड के सयुंक्त विजेता घोषित किए गए थे । एक बार फिर भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार होगा । 13 अगस्त से 12 सितंबर तक इसे पाँच चरणों मे खेला जाएगा और हर चरण की तीन प्रमुख टीम टॉप डिविसन मे प्रवेश करेंगी । प्रतियोगिता मे दुनिया के 170 से ज्यादा देशो के करीब 1500 खिलाड़ी भाग लेंगे हालांकि भारत समेत 5 शीर्ष वरीय देशो को सीधे टॉप डिविसन मे प्रवेश दिया गया है । 13 सितंबर से 17 सितंबर के दौरान इसके प्ले ऑफ मुकाबले खेले जाएँगे । टीम मे 2 पुरुष , 2 महिला और 2 जूनियर खिलाड़ी होंगे । भारतीय टीम मे वर्तमान रेटिंग के आधार पर संभावित टीम कुछ यूं हो सकती है - विश्वनाथन आनंद , पेंटाला हरीकृष्णा , विदित गुजराती , कोनेरु हम्पी ,हरिका द्रोणावल्ली , तनिया सचदेव ,निहाल सरीन , प्रग्गानंधा , आर वैशाली और दिव्या देशमुख ।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के साथ टी20 सीरीज की पुष्टि की

ढाका।

ऑस्ट्रेलिया तीन से नौ अगस्त तक पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेग। इसकी पुष्टि हो गई है और सीरीज के सभी मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह दौरा सितंबर 2017 के बाद से ऑस्ट्रेलिया का पहला बांग्लादेश दौरा होगा। पिछली बार कंगारू टीम ने दो टेस्ट के लिए देश का दौरा किया था। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपना 2015 का दौरा रद्द कर दिया था और सुरक्षा कारणों से 2016 के अंडर-19 विश्व कप से बाहर हो गया था। 29 जुलाई को क्रमशः वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे का दौरा पूरा करने के बाद ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश दोनों के ढाका पहुंचने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया बारबाडोस से ढाका के लिए चार्टर फ्लाइट से आएगा। आगमन पर, दोनों टीमें होटल में तीन दिनों तक क्वारंटीन रहेंगी। क्वारंटाइन की छोटी अवधि खत्म होने के बाद दोनों टीमें सीरीज से पहले एक अगस्त से स्टेडियम में अभ्यास शुरू करेंगी।

गिनी कोविड-19 के कारण टोक्यो ओलंपिक से हटा

टोक्यो। अफ्रीका के एक छोटे से देश गिनी ने शुक्रवार से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों से कोविड-19 के फिर से उभरने का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया है। गिनी के खेल मंत्री सानौसी बंतामा सो ने देश के पांच एथलीटों के हटने की घोषणा की।इनसाइडगेम्स डॉट कॉम ने सो के हवाले से कहा है,कोविड -19 वेरिएंट के पुनरुत्थान के कारण, सरकार, गिनी के एथलीटों के स्वास्थ्य को संरक्षित करने से संबंधित है, ने टोक्यो ओलंपिक में गिनी की भागीदारी को रद्द करने के लिए खेद के साथ फैसला किया है। पहलवान फतौमाता यारी कमारा, जुडोका ममादौ सांबा बाह, तैराक फतौमाता लामराना तोरे और ममादौ ताहिरौ बाह और धावक एसाता दीन कोंटे ओलंपिक में पश्चिम अफ्रीकी राष्ट्र के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाले थे। गिनी खेलों से हटने वाला पहला देश नहीं है। उत्तर कोरिया ने अप्रैल में घोषणा की थी कि वह कोविड-19 महामारी के कारण टोक्यो 2020 में शामिल नहीं होगा। गिनी ने 11 ओलंपिक खेलों में भाग लिया है। इसने 2016 में रियो में आयोजित पिछले संस्करण में पांच एथलीटों को भेजा था।

मेरी बल्लेबाजी से शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का मनोबल बढ़ेगा : चाहर

कोलंबो।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में नाबाद 69 रन बनाकर टीम को मैच जिताने वाले भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कहा है कि उनकी बल्लेबाजी से शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का मनोबल बढ़ेगा।

चाहर ने कहा कि वह ऑलराउंडर का टैग या टी 20 विश्व कप में चयन को लेकर चिंतित नहीं है और वह अपनी बल्लेबाजी में सुधार को लेकर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।चाहर ने कहा, लोग मुझे ऑलराउंडर माने या ना मानें इससे फर्क नहीं पड़ता लेकिन जो बल्लेबाज मेरे साथ होगा उसे यह भरोसा होगा कि मैं उसका समर्थन कर सकता हूं। अगर मैं दूसरे वनडे की स्थिति में बल्लेबाजी कर रहा हूं तो यह जरूरी है कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को पता हो कि यह बल्लेबाज मैच जिताने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, मैंने अपनी बल्लेबाज पर कड़ी मेहनत की है। मेरे पिता मेरे कोच थे। जब मैं उनसे बात करता हूं और अगर हमारे बीच 10 मिनट बात होती है तो उसमें से छह-सात मिनट बल्लेबाजी पर बात होती है।चाहर ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि बेसिक्स बहुत जरूरी है। अगर आपकी बेसिक्स सही है तो आप अच्छा करेंगे। अगर आप स्विंग गेंदबाज बनना चाहते हैं तो तेजी बहुत जरूरी है।चाहर महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में खेलते हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान के लिए कहा कि धोनी का उनपर काफी प्रभाव रहा है। चाहर ने कहा, धोनी का सिर्फ चेन्नई पर ही प्रभाव नहीं है। मैंने उन्हें बचपन से देखा है। जब भी हम उनसे बात करते हैं वह हमेशा कहते हैं कि हमें खेल को अंत तक ले जाने की जरूरत है। अगर मैच अंत तक खिंचेगा तो यह मजेदार होगा और लोग इसका आनंद लेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह टी20 विश्व कप टीम में चयन को लेकर ज्यादा ध्यान नहीं केंद्रित कर रहे हैं। चाहर ने कहा, टी20 विश्व कप थोड़ा दूर है। चयन हमारे हाथ में नहीं है। सिर्फ प्रदर्शन करना हमारे हाथ में है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे अपनी बल्लेबाजी सुधारने का मौका मिला। मैं बल्लेबाजी करने के लिए अवसर की तलाश कर रहा था। चाहर ने कहा कि उन्हें राहुल द्रविड़ से काफी फायदा हुआ है, जो श्रीलंका में सीमित ओवरों की टीम के कोच हैं।

जीत के लिए अटैक और डिफेंस में संतुलन बनाना महत्वपूर्ण : चेन्नइयन एफसी कोच

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम चेन्नइयन एफसी के नवनियुक्त कोच बोजिदार बानडोविच का कहना है कि मैच में जीत के लिए अटैक और डिफेंस में संतुलन बनाना जरूरी है। चेन्नइयन का पिछले सीजन में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और वह आठवें नंबर पर रही थी। चेन्नइयन ने इस सीजन के लिए बानडोविच को मुख्य कोच बनाया है। बानडोविच ने कहा, अगर आप आपत्तिजनक रूप से खेलोगे तो आपको हार मिलेगी। सबसे जरूरी चीज है खिलाड़ी में सुधार लाना। हालांकि नतीजे भी मायने रखते हैं। मैं खेल में नियंत्रण रख स्कोर करने के मौके भुनाना पसंद करता हूं। लेकिन दुनियाभर की कई लीगों में टीम ने कम गोल करके भी जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, मैच में संतुलन जरूरी है। आप को अच्छे से डिफेंड करने की जरूरत है। आप एक बेहतर खिलाड़ी से मैच जीत सकते हैं लेकिन लीग नहीं जीत सकते। अगर आपको लीग जीतना है तो एक खिलाड़ी से नहीं बल्कि पूरी टीम को प्रदर्शन करना होगा। बानडोविच ने कहा, मुझे दबाव से कोई दिक्कत नहीं है। मैंने कई वर्षों तक काम किया है। मैं दो बार सहायक कोच और दो बार मुख्य कोच रह चुका हूं। यह बहुत बड़ा दबाव होता है। जाहिर है कि कई बार दबाव होता है लेकिन इससे पार पाना ही हमारा काम है। अगर मैं दबाव नहीं झेल सकूं तो मुझे अपना काम बदलना पड़ेगा।

त्यौहारों में आयोजित होते मेले को मंजूरी नहीं भी मिले

जन्माष्टमी सहित के मेले अगस्त में आयोजित होते होने से आगामी समय में सरकार द्वारा निर्णय लिया जाएगा

अहमदाबाद।

केंद्र सरकार ने हाल में ही कहा है कि, ऑक्सीजन की कमी से देश में कोई मौत नहीं हुई है इसके बाद मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने भी गुजरात में ऑक्सीजन की कमी से एक भी मौत नहीं हुई होने का दावा किया था । कोरोना मामले में राज्य के मुख्यमंत्री रुपाणी ने कहा है कि, कोरोना अभी नहीं गया है और तीसरी लहर की संभावना है तब आगामी महीने में आते त्यौहारों में आयोजित होते मेले को शायद मंजूरी नहीं भी मिले । विपक्ष द्वारा कई मुद्दे पर गलत आरोप लगते होने का भी सीएम रुपाणी ने कहा है । कोरोना की दूसरी लहर के दौरान गुजरात में ऑक्सीजन नहीं पहुंचा हो और मरीजों की मौत हुई हो ऐसा एक भी मामला नहीं होने का सीएम रुपाणी ने बताया है । विपक्ष लोगों को भ्रमित करने के लिए गलत बातें को फैलाता है और व्यवस्था पर्याप्त थी, यह रुपाणी ने बताया ।

हम चाहते है कि, कोरोना की तीसरी लहर नहीं आये और भीड़ इकट्ठा नहीं हो यह विषय सरकार की प्राथमिकता है । इसी वजह से आगामी समय में आयोजित होने वाले मेले को मंजूरी नहीं मिले ऐसे संकेत रुपाणी ने दिया था । जन्माष्टमी सहित के मेले अगस्त महीने से शुरू होते होने से इस मुद्दे पर आगामी समय में निर्णय लिया जाएगा ।

इस दौरान सीएम रुपाणी ने जूनागढ़ की मुलाकात लेकर जूनागढ़ के प्रसिद्ध स्थलों को पूरे सौराष्ट्र के टूरिजम विकास और सर्किट को कनेक्ट करना और पर्यटकों के लिए सुविधा बढ़ाया जाएगा यह बताया गया । पर्यटन निगम द्वारा हाल ४५.९१ करोड़ के खर्च से उपरकोट के कन्ज वेंशन और रिस्टोरेशन के प्रॉजेक्ट का काम चल रहा है । गिरनार क्षेत्र में पर्यटन विकास के कामकाज बाद जूनागढ़ में मकबरा और उपरकोट का काम शुरू किया गया है । जूनागढ़ में भक्त कवि नरसिंह मेहता यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह सीएम रुपाणी के द्वारा संपन्न हुआ था ।

गुजरात में छाते का व्यापार बड़ी मात्रा में प्रभावित

अहमदाबाद ।

कोरोना महामारी की वजह से राज्य में छाता के उत्पादकों और विक्रेताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ा है । लगातार दूसरे वर्ष में कोरोना महामारी की वजह से इस क्षेत्र के व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है । छाता के उत्पादकों और विक्रेताओं का कहना है कि, कोरोना के साथ-साथ राज्य के अधिकतर क्षेत्रों में मानसून लेट होने की वजह से छाता की बिक्री को प्रभावित हुई है । राज्य में २० से २५ छाता उत्पादकों है जिनका कोरोना महामारी पहले सामूहिक टर्नओवर २५ करोड़ रुपया था । अहमदाबाद के एक ४७ वर्षीय छाता उत्पादक कल्पेश डबगर बताते है कि, गत वर्ष छाता का उत्पादन करीब नहीं के बराबर था, इस वर्ष भी छाते का सिर्फ ३० फीसदी ही उत्पादन हुआ है । कल्पेश बताते है कि, स्कूलें और कॉलेज बंद है और लोग अपने घर से काम कर रहे है । आगे इस वर्ष में मानसून लेट हो गया है । यह सभी परिबलों की वजह से छाते की बिक्री बड़ी मात्रा में प्रभावित हुई है । उल्लेखनीय है कि अधिकतर व्यापारी मार्च और जून के दौरान उत्पादकों से छाते खरीदते है ।

जयेश डबगर का परिवार दशकों से छाते के व्यापार के साथ जुड़े हुए हैं । वह बताते है कि, रिटेल मार्केट में छाते की बिक्री करीब जीरो है । गत वर्ष भी पूरा सीजन विफल रही थी । सामान्य रुप से जि स समय के दौरान व्यापारी उत्पादकों से छाते का माल खरीदते है उस समय में कोरोना की दूसरी लहर चल रही थी । अधुरे में पूरा मानसून लेट होने की वजह से स्टोक भी नहीं बिक रहा है ।

कॉन्स्टेबल की हत्या केस में आरोपी को आजीवन कारावास

अहमदाबाद ।

२१ अप्रैल २०१६ को सुबह में क्राइम ब्रांच की ऑफिस में कॉन्स्टेबल चंद्रकांत मकवाणा की निर्मम हत्या करने के केस में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है । आरोपी मनीष बलाई इस हत्या को अंजाम देने के बाद क्राइम ब्रांच से फरार हो गया था । इसे गिरफ्तार करने के लिए २५० पुलिस कर्मचारियों की टीम बनाकर एक ऑपरेशन शुरू किया गया, और इसे ट्रेन से गिरफ्तार किया गया । मनीष ने पुलिस की पूछताछ में अपने अपराध को कबूल कर लिया है । इसके सामने सिटी सिविल कोर्ट में केस चल रहा था जि सकी सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने आज फैसला सुनाया । जिसमें बलाई को जब तक जिंदा रहे तब तक में जेल में रखने की सजा सुनाई गई थी । यह केस का गुरुवार को फैसला आने से कोर्ट में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उपस्थित रही । ऐसे में मनीष पर कोई हमला नहीं हो इसके लिए पुलिस को विशेष सावधानी रखनी पड़ी ।

पहले भी मनीष पर कोर्ट परिसर में अटैक हो चुका है । चंद्रकांत मकवाणा का मर्डर करने के बाद आरोपी मनीष बलाई अपने वतन राजस्थान भाग जाने की फिराक में था । हालांकि, इसका भागना पूरा हो जाए इसके पहले ही इसे मोबाइल लोकेशन के आधार पर वडोदरा और भरूच के बीच ट्रेन से गिरफ्तार किया गया । मनीष को लूट और ड्रग्स के केस में पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच में लाया गया था । इसकी पूछताछ मृतक कॉन्स्टेबल चंद्रकांत मकवाणा कर रहे थे । हालांकि, सुबह के अंधेरे में मौका मिलते ही मनीष ने चंद्रकांत मकवाणा के सिर में लोहे का छड़ मारा गया था और वहां से भाग गया था । अपराध हुआ उस समय में क्राइम ब्रांच में उस समय में रात को ड्यूटी करते एक पीएसआई ने रात को १२ बजे चंद्रकांत को मनीष की पूछताछ करते हुए देखा था ।

अन्य राज्य पहल करे तो पेट्रोल-डीजल पर वेट घटाया जाएगा

गांधीनगर ।

पेट्रोल-डीजल की कीमत गुज रात में भी शतक मारने की तैयारी में है । हालांकि, सरकार का वेट के दर में कमी करके जनता को राहत देने का फिलहाल कोई आयोजन नहीं है । उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने यह मामले में गुरुवार को बताया कि फिलहाल सरकार द्वारा ऐसा कोई विचार नहीं है । लेकिन यदि अन्य राज्य इस दिशा में पहल करेंगे तो राज्य सरकार विचार करेगी । नीतिन पटेल ने यह भी दावा किया है कि हाल देश के बड़े राज्यों में गुजरात पेट्रोल और डीजल पर सबसे कम वेट लेती है । जिसकी वजह से अन्य राज्यों की तुलना में गुजरात में पेट्रोल और डीजल की कीमत मात्रा में कम है । अहमदाबाद में पेट्रोल का गुरुवार की कीमत ९८.५९ रुपये प्रति लीटर रहा है । हालांकि, ब्रांडेड पेट्रोल तो राज्य के सभी शहरों में कब का १०० रुपये को पार कर चुका है । जबकि डीजल की कीमत ९६.७६ रुपये प्रति लीटर है । जि स तरीके से पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही है, इसे देखते हुए कुछ ही दिनों में ही पेट्रोल शतक लगायेगा ऐसी लोगों द्वारा चर्चा चल रही है । पेट्रोल की कीमतों में हुई वृद्धि की वजह से मध्यम वर्ग का बजट ठप हो गया है और इसकी वजह से महंगाई भी बढ़ गई है । राज्य में पिछले जून २०२० में पेट्रोल और डीजल पर लगते वेट में वृद्धि की गई थी । फिलहाल राज्य में पेट्रोल और डीजल पर १७ फीसदी वेट तथा चार फीसदी के दर से सेस वसूला जाता है । वेट की रकम पेट्रोल-डीजल की मूल कीमत के आधार पर निश्चित होती है । उदाहरण के तौर पर यदि एक लीटर पेट्रोल की मूल कीमत ४० रुपया हो तो इस पर १७ फीसदी और ४ फीसदी के दर से वेट और सेस वसूला जाता है । जैसे-जैसे मूल कीमत बढ़े वैसे-वैसे यह रकम भी बढ़ती रहती है और इसी वजह से वेट का दर बढ़ाये बिना ही सरकार की आय भी बढ़ती रहती है । सरकार के आय के स्त्रोत की बात करे तो पेट्रोल-डीजल की पर लगते वेट और सेस से गुज रात सरकार को सबसे ज्यादा आय होती है ।

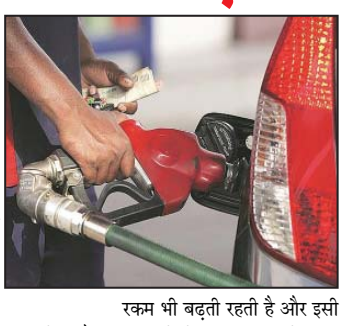

कारोबारियों और उनके कर्मचारियों के लिए 25 जुलाई को वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन

अहमदाबाद ।

सूरत के कुख्यात आरोपी सूर्या मराठी की हत्या के केस में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । गुजरात एटीएस की टीम द्वारा सूर्या मराठी के हत्यारे को गिरफ्तार किया गया है । विकास उर्फ विक्की यादव नाम के आरोपी को एटीएस की टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार हुआ आरोपी का क्राइम इतिहास है और इसके खिलाफ पहले भी कई अपराध दर्ज हुए हैं । एटीएस की टीम ने अहमदाबाद में दुधेश्वर ब्रिज के पास आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । यह आरोपी के खिलाफ शहर के माधुपूरा पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन का अपराध भी दर्ज हुआ है । हालांकि फिलहाल इसे अपनी करतूत की वजह से जेल में जाना पड़ा है । आरोपी विक्की यादव के खिलाफ साबरमती पुलिस स्टेशन में हत्या का अपराध भी दर्ज हुआ है । पहले भी यह आरोपी सूरत में हत्या तथा मारपीट के अपराध में गिरफ्तार हो चुका है ।

इसके अलावा यह दो बार पासा की सजा भी भुगत चुका है ।

इसके अलावा यह आरोपी हथियार के अपराध में भी पहले गिरफ्तार हो चुका है । सूर्या मराठी सूरत का दबंग गैंगस्टर था जि सकी वजह से आरोपी विक्सी ने हत्या की थी । हालांकि जिस समय में इसकी हत्या हुई थी इसमें ६ से ७ शख्सों ने इसकी हत्या को अंजाम दिया था । हत्या भी उसने सूर्या मराठी की ऑफिस में घुसकर की थी । इसके बाद सूर्या मराठी के साथियों ने भी एक हार्दिक नाम के शख्स की हत्या की थी ।

उल्लेखनीय है कि जिस समय में सूर्या मराठी की हत्या हुई उस समय में सूर्या जेल से छूटकर बाहर आया था । इसकी हत्या बाद सूरत में गैंग वॉर हुआ था । हाल एटीएस ने जिस आरोपी विक्की को गिरफ्तार किया है । यह भी इसकी हत्या में शामिल था । जिसकी वजह से फिलहाल इसे जेल की चार दीवारें मिली है ।

न होगी जमीन प्रभावित, और न ही होगा जल व्यर्थ; पर्यावरण संरक्षण की है प्रतिबद्धता

दोसवाड़ा।

हिंदुस्तान जिंक द्वारा जिंक स्मेल्टिंग की प्रक्रिया में अपनाई जाने वाली तकनीक उन्नत है, जो कि पूर्णत: पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इस तकनीक के उपयोग के चलते हिन्दुस्तान जिंक को विश्व में अग्रणी उद्योग के रूप में जाना जाता है। दोसवाड़ा में स्थापित किए जाने वाले प्लांट से उत्पन्न अधिकांश अवशेष को रिसाइकल और रियूज कर उपयोग में लिया जा सकेगा।

प्लांट में जल के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण से ताजा जल की आवश्यकता में कमी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे जल सरंक्षण होगा, और कोई भी गतिविधि यहाँ की जमीन को प्रभावित करने का कारण नहीं बनेगी। प्लांट के बाहर किसी भी तरह के अपशिष्ट का निर्वहन नहीं जाएगा, जिससे जल एवं जमीन सरंक्षण सुनिश्चित होगा। साथ ही इससे जलवायु और कृषि क्षेत्रों पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इस प्रक्रिया में उत्पन्न उत्प्रवाह को एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) में और आगे आरओ-जेडएलडी प्लांट में ट्रीट किया जाएगा ताकि प्लांट से जीरो लिक्विड डिस्चार्ज सुनिश्चित हो सके और पानी के रिसाइकल और रियूज को अधिकतम किया जा सके। प्लान्ट की योजना च्शून्य अपशिष्ट्ज के सिद्धांत पर आधारित है। इसलिए किसी भी तरह से प्लांट के कारण जल व्यर्थ या दूषित नहीं होगा।

हिन्दुस्तान जिंक पर्यावरण सरंक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए दोसवाड़ा जिंक प्लांट में फ्यूमर प्लांट स्थापित करेगा जिससे न केवल ठोस अपशिष्ट जेरोसाइट का उत्पादन शून्य होगा अपितु पर्यावरण सरंक्षण के लिए भी यह एक नवाचार है। जेरोसाइट को रखने के लिए जमीन की आवश्यकता नहीं होगी, इसके साथ ही प्राकृतिक संसाधनों का सरंक्षण होगा। प्लांट से अपशिष्ट के रूप में निकलने वाले स्लेग का उपयोग अन्य कंपनी द्वारा किया जाएगा, जो इकोफ्रेंडली संकल्पना को मजबूत करने में सहायक होगा। इस प्रक्रिया से फ्यूमर प्लांट में बिना जेरोसाइट के उत्पादन के खनिज की रिकवरी की जा सकेगी।

कक्षा ९-११ की स्कूलें शुरू करने पर सरकार का विचार

गांधीनगर ।

गांधीनगर में गुरुवार को कैबिनेट बैठक आयोजित हुई थी । जिसमें कोरोना की स्थिति और कक्षा ९ से ११ की स्कूलों को शुरू करने के मामले में कई चर्चा की गई थी । अब कैबिनेट बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल ने बताया है कि, गुजरात सरकार ने भारत सरकार से विनंती की है जिसकी वजह से अतिरिक्त डोज दिया गया है । गुजरात में रोजाना तीन से चार लाख नागरिकों को डोज दिया जा रहा है । उन्होंने बताया है कि गत दिन और गुरुवार को कैबिनेट में मुख्यमंत्री के साथ विचार-विमर्श हुआ इस अनुसार गुजरात सरकार के पास १५ लाख से ज्यादा जत्था प्राप्त है । रोजाना ढाई लाख नया ज त्था आ जाता है । इसी वजह से व्यापारियों के लिए गृह विभाग की तरफ से यह अध्यादेश जारी किया गया है । जिसके अनुसार, ३१ जुलाई तक में वैक्सीन व्यापारियों को लेना पड़ेगा । आज कैबिनेट में विशेष रूप से निर्णय लिया गया है कि, व्यापारियों और कर्मचारियों को ३१ तारीख के पहले वैक्सीन लेना होगा । मार्केटयार्ड, दुकानों, हेयर कटींग सलून, ब्यूटी पार्लर सहित के व्यापारियों को और कर्मचारियों को वैक्सीन दी जाएगी । सभी व्यावसायिक उद्देश्यों से चलते व्यापार-धंधे को शामिल किया गया है । खेल-कूद में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों सिनेमा गृहों, होटल, स्वीमिंग पुल में काम करते कर्मचारियों को, निजी क्षेत्र में व्यापार के हेतु कार्यरत है ऐसे सभी को वैक्सीनेशन लेना जरूरी है । यह रविवार को इस वर्ग के कर्मचारियों को वैक्सीन दी जाएगी । १८०० सेंटर्स पर वैक्सीन दी जाएगी । स्कूलों को शुरू करने के मुद्दे पर नीतिन पटेल ने कहा कि, सरकारी स्कूलें कक्षा ९, १० और ११ की स्कूलों को शुरू करने के लिए अभिभावकों की तरफ से, स्कूल संचालकों की तरफ से और शिक्षा क्षेत्र की तरफ से राज्य सरकार के समक्ष पेशकश आ रही है । अब गुजरात में कोरोना के केस कम हुए है । नये केस बहुत कम संख्या में आ रहे है । अन्य सभी प्रवृत्ति शुरू कर दी गई है । कई छूट नियमों की सीमा में दी है ।

विवाहिता पर अत्याचार कर रही सास के खिलाफ शिकायत हुई

अहमदाबाद ।

२१ अप्रैल २०१६ को सुबह में क्राइम ब्रांच की ऑफिस में कॉन्स्टेबल चंद्रकांत मकवाणा की निर्मम हत्या करने के केस में कोर्ट ने आरोपी को आज ीवन कारावास की सजा सुनाई है । आरोपी मनीष बलाई इस हत्या को अंजाम देने के बाद क्राइम ब्रांच से फरार हो गया था । इसे गिरफ्तार करने के लिए २५० पुलिस कर्मचारियों की टीम बनाकर एक ऑपरेशन शुरू किया गया, और इसे ट्रेन से गिरफ्तार किया गया । मनीष ने पुलिस की पूछताछ में अपने अपराध को कबूल कर लिया है । इसके सामने सिटी सिविल कोर्ट में केस चल रहा था जि सकी सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने आज फैसला सुनाया । जिसमें बलाई को जब तक जिंदा रहे तब तक में जेल में रखने की सजा सुनाई गई थी । यह केस का गुरुवार को फैसला आने से कोर्ट में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उपस्थित रही । ऐसे में मनीष पर कोई हमला नहीं हो इसके लिए पुलिस को विशेष सावधानी रखनी पड़ी । पहले भी मनीष पर कोर्ट परिसर में अटैक हो चुका है । चंद्रकांत मकवाणा का मर्डर करने के बाद आरोपी मनीष बलाई अपने वतन राजस्थान भाग जाने की फिराक में था । हालांकि, इसका भागना पूरा हो जाए इसके पहले ही इसे मोबाइल लोकेशन के आधार पर वडोदरा और भरूच के बीच ट्रेन से गिरफ्तार किया गया ।

मनीष को लूट और ड्रग्स के केस में पूछताछ के लिए क्राइम ब्रांच में लाया गया था । इसकी पूछताछ मृतक कॉन्स्टेबल चंद्रकांत मकवाणा कर रहे थे । हालांकि, सुबह के अंधेरे में मौका मिलते ही मनीष ने चंद्रकांत मकवाणा के सिर में लोहे का छड़ मारा गया था और वहां से भाग गया था । अपराध हुआ उस समय में क्राइम ब्रांच में उस समय में रात को ड्यूटी करते एक पीएसआई ने रात को १२ बजे चंद्रकांत को मनीष की पूछताछ करते हुए देखा था ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)